राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 वर्ष-9,अंक-89 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

बंगाल में बंपर मतदान

- **दोपहर 5 बजे तक बंगाल में 90 प्रतिशत तो तमिलनाडु में 82 प्रतिशत मतदान**

नईदिल्ली (एजेंसी)। लोकतंत्र के महापर्व में गुरुवार 23 अप्रैल को पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में वोट डाले गए। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान हुआ। सभी पोलिंग बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। वहीं तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर एक ही चरण में वोट डाले जा रहे थे। दोनों राज्यों में प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच कड़ी टक्कर है।

प्रशासन ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की थी। गुरुवार को बंगाल में पहले चरण के तहत 16 जिलों की 152 सीटों पर वोट पड़े ।

देश के दो प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी था। दोपहर 5 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 89.9 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जो भारी उत्साह को दर्शाता है। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर एक साथ हो रहे चुनाव में अब तक 82.4 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच दोनों राज्यों में मतदाता लंबी कतारों में खड़े अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

बंगाल के कुमारगंज में भाजपा प्रत्याशी सुवेंदु सरकार को दौड़ाकर पीटा

कोलकाता/चेन्नई (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा कैंडिडेट सुवेंदु सरकार पर हमला हुआ है। वीडियो में दिख रहा है कि सुवेंदु हमले से बचने के लिए भाग रहे हैं। उनका सिक्योरिटी गार्ड उनके साथ है। इसके बावजूद भीड़ सुवेंदु को पीटती है। इधर, बर्नपुर के रहमतनगर इलाके में आसनसोल साउथ सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर भी हमला हुआ। इससे गाड़ी के पीछे का शीशा टूट गया। अग्निमित्रा ने बताया कि एक मतदान केंद्र से बाहर निकलते समय उनकी कार पर पत्थर फेंके गए। अग्निमित्रा ने हीरापुर पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई है। बंगाल में कई अन्य जगहों पर भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबरें आ रही हैं।

बदरीनाथ धाम के कपाट भी खुले

- **जय बदरीविशाल; मंदिर के कपाट खुलते ही गूंजे जयकारे**

देहरादून/ बदरीनाथ (एजेंसी)। बदरीनाथ धाम में गुरुवार सुबह मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही भक्ति और उल्लास का अद्भुत नजारा देखने को मिला। बैसाख मास के शुभ अवसर पर पुनर्वसु नक्षत्र और सर्वार्थ सिद्ध योग में ठीक सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के द्वार खोले गए। इस दौरान जय बदरीविशाल के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इस पावन अवसर पर मौजूद थे। कपाट खुलने से पहले निर्धारित परंपराओं का पालन किया गया। तड़के चार बजे भगवान कुबेर जी का दक्षिण द्वार से प्रवेश हुआ, जिसके बाद मंदिर परिसर में धार्मिक गतिविधियां शुरू हुईं।

रावल, धर्माधिकारी और वेदपाठियों ने उद्धव जी के साथ मंदिर में प्रवेश कर विधिवत द्वार पूजन संपन्न कराया। इसके बाद तय समय पर कपाट खोल दिए गए और पूर्वाह्न 11 बजे से गर्भगृह में पूजा-अर्चना आरंभ हुई।

संक्षिप्त समाचार

चुनावी रैली में पीएम मोदी बोले

झालमुड़ी मैंने खाई, झाल उन्हें लग रही

- **4 मई को परिणाम नहीं, परिवर्तन होगा, टीएमसी की हार ही भय की हार है**

कोलकाता (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बंगाल के मथुरापुर और कृष्णानगर में चुनावी रैली की। उन्होंने कहा- यहां पूरे बंगाल से उत्साही नागरिक आए हैं। जनता ने तय कर दिया है कि 4 मई को परिणाम नहीं, परिवर्तन आएगा। टीएमसी हारेगी और भाजपा का भरोसा जीतेगा। महिला आरक्षण पर बोलते हुए मोदी ने कहा कि बंगाल की धरती मां दुर्गा को पूजती है, लेकिन टीएमसी ने महिला आरक्षण के खिलाफ वोटिंग की। यह महिलाओं का अपमान है। टीएमसी की सरकार में गुंडों और बलात्कारियों को खुला संरक्षण मिला हुआ है। बंगाल की बेटियां ये अत्याचार कभी नहीं भूल सकतीं। चुनाव प्रचार के दौरान झालमुड़ी खाने पर उन्होंने कहा- झालमुड़ी मैंने खाई है और झाल उन्हें लग रही है। मैं चुनाव आयोग का अभिवादन करता हूं कि वह बंगाल में शांतिपूर्वक चुनाव करवा पा रहे हैं। अब का मतदान सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा है। मैं यहां परिवर्तन की आंधी देख रहा हूं।

उत्तराखंड के टिहरी में बड़ा हादसा

खाई में गिरी गाड़ी, 8 लोगों की मौत

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के टिहरी में चंबा-कोटीकॉलोनी मार्ग पर नैल के पास वाहन खाई में गिर गया, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने लोगों की मौत की पुष्टि की। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन और राहत दल घटनास्थल पर पहुंचा। बचाव कार्य शुरू किया गया है।

2006 मालेगांव ब्लास्ट केस

बॉम्बे हाईकोर्ट ने चार आरोपियों को किया बरी, जांच एजेंसियों पर उठाए गंभीर सवाल

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2006 मालेगांव बम धमाका मामले में अहम फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया है। अदालत ने मामले की जांच पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह केस अब डेड एंड यानी ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां से सच्चाई तक पहुंचना मुश्किल नजर आता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच एजेंसियों की परस्पर विरोधी कहानियों ने पूरे मामले को उलझा दिया है।

कोर्ट ने आरोपों को रद्द करते समय क्या कहा?- हाईकोर्ट ने राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवरिया और लोकेश शर्मा को राहत देते हुए कहा कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने लायक पर्याप्त सबूत नहीं हैं। अदालत ने सितंबर 2025 में विशेष अदालत द्वारा तय किए गए आरोपों को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि विशेष अदालत ने आरोप तय करते समय उपलब्ध साक्ष्यों और विरोधाभासों पर सही ढंग से विचार नहीं किया।

सबरीमाला केस, जस्टिस नागरत्ना बोलीं

वॉट्सएप यूनिवर्सिटी से जानकारी नहीं चाहिए

थरूर के आर्टिकल के जिक्र पर सीजेआई ने कहा- लेख पर्सनल ओपिनियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि वॉट्सएप यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी को स्वीकार नहीं किया जा सकता। जस्टिस नागरत्ना ने यह टिप्पणी दाउदी बोहरा समुदाय की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट नीरज किशन कौल की दलील के जवाब में की थी। कौल ने कहा था कि ज्ञान और समझ, चाहे वह किसी भी सोर्स से मिली हो, उसे स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं है। कौल एक अखबार में कांग्रेस सांसद डॉ. शशि थरूर के लिखे लेख का हवाला दे रहे थे।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से शुरू हुई सुनवाई

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

मंदिर में एंट्री बैन संप्रदाय की अपनी प्रथाओं पर आधारित होती है

गुरु कृष्ण कुमार- जब कोई संप्रदाय अपने रीति-रिवाजों या सिद्धांतों के हिस्से के रूप में मंदिर में एंट्री बैन करने का दावा करता है, तो वे जाति पर आधारित नहीं होते। वे उस संप्रदाय की अपनी प्रथाओं पर आधारित होते हैं, और वे सभी व्यक्तियों पर समान रूप से लागू होते हैं। यह बात महत्वपूर्ण है। इसलिए, सही नजरिया यह नहीं है कि इन्हें प्रतिबंधों के रूप में देखा जाए, बल्कि इन्हें उस संप्रदाय के सिद्धांतों या मतों से उत्पन्न होने वाले निर्देशों के रूप में समझा जाए।

अनुच्छेद 26 में धर्म से जुड़े मामलों का मैनेजमेंट संभालने का अधिकार शामिल

एडवोकेट कुमार : अब, यदि कोई अनुच्छेद 26 को बारीकी से देखे, तो उसमें साफ-साफ इंफ्रास्ट्रक्चर का एक अंतर दिखाई देता है। खंड (ए) और (बी) धार्मिक पहलुओं से जुड़े हैं। इनमें धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए संस्थाएं बनाना, उनका रखरखाव और धर्म से जुड़े मामलों में अपने कार्यों का मैनेजमेंट संभालने का अधिकार शामिल है। खंड (सी) और (डी) संपत्ति से जुड़ें हैं। इनमें संपत्ति का स्वामित्व रखने और उसे अर्जित करने, कानून के अनुसार ऐसी संपत्ति का प्रशासन करने का अधिकार शामिल है।

बंगाल सरकार बोली- भाजपा कोर्ट कार्यवाही को सोशल मीडिया पर हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुनवाई जारी है। ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें पेश कीं। बंगाल सरकार की ओर से सीनियर एडवोक्ट मेनका गुरुस्वामी पेश हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक राजनीतिक पार्टी कोर्ट की कार्यवाही को सोशल मीडिया पर हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कोर्ट से इस पर रोक लगाने की मांग की। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की रेड के बीच सीएम ममता बनर्जी के दखल को गलत बताया था।

मिर्जापुर में दर्दनाक हादसा

11 की मौत, बोलेरो में 9 जिंदा जले

- **बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था परिवार, कोई नहीं बचा**

मिर्जापुर (एजेंसी)। यूपी के मिर्जापुर में सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इसमें बोलेरो सवार 9 लोग जिंदा जल गए। हादसा रात 9.30 बजे मिर्जापुर-रीवा नेशनल हाईवे पर हुआ।

पुलिस के मुताबिक, एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक ब्रेक फेल होने से बेकाबू हो गया। ट्रक ने आगे चल रही बोलेरो और स्विफ्ट कार को टक्कर मार दी। दोनों गाड़ियां आगे चल रहे एक ट्रॉले से जा टकरा गईं।

रफ्तार तेज होने की वजह से टक्कर के बाद बोलेरो उछलकर अलग हो गई। तेज धमाके के साथ उसमें आग लग गई। जबकि, स्विफ्ट कार ट्रक और ट्राले के बीच में फंस गई।

आग इतनी भीषण थी कि बोलेरो सवार 9 लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इसमें एक ही परिवार के 8 लोग और एक ड्राइवर था। करीब ढाई घंटे तक बोलेरो धू-धू कर जलती रही। मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग मदद के लिए आए, लेकिन आग तेज होने की वजह से कोई पास नहीं जा पाया।

महिला आरक्षण में 'ओबीसी कोटा' की बड़ी तैयारी

कांग्रेस ने राहुल गांधी की मौजूदगी में बनाया नया मास्टरप्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने फैसला किया कि वह लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण में अन्य पिछड़े (ओबीसी) वर्ग के लिए कोटा सुनिश्चित करने की मांग को राष्ट्रीय स्तर पर पुरजोर तरीके से उठाएगी और इसे एक राष्ट्रीय विमर्श बनाने का प्रयास करेगी।

इस मांग को दोहराने की जरूरत

सूत्रों ने कहा कि नेताओं ने बताया, 'कांग्रेस का निरंतर यही रुख रहा है और पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने 2023 में संसद में नारी शक्ति वंदन विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा था कि कि ओबीसी को महिला आरक्षण कार्यान्वयन में कोटा दिया जाना चाहिए। अब इस विमर्श को दृढ़ता से आगे बढ़ाने और मांग को दोहराने की जरूरत है।

बड़े नेता हुए शमिल

कांग्रेस पार्टी के ओबीसी विभाग से संबंधित सलाहकार परिषद की बैठक में इस विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पार्टी महासचिव सचिन पायलट, ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल 'जयहिंद' यादव समेत कई नेता शामिल हुए।

- **बिहार में सम्राट सरकार का फैसला**

11 शहरों में जमीन खरीद-बिक्री पर रोक!

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने अपनी पहली ही कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में 22 प्रस्तावों को मंजूरी मिली। इनमें सबसे अहम फैसला जमीन खरीद-फरोख्त पर रोक से जुड़ा है। राज्य के 11 प्रमुख शहरों में यह प्रतिबंध लागू किया गया है। सरकार का मकसद अनियंत्रित विकास पर रोक लगाना है। साथ ही योजनाबद्ध शहरी विस्तार को बढ़ावा देना भी है।

इन शहरों में लागू हुआ प्रतिबंध- पटना, गया, मुंगेर, दरभंगा, सहरसा और पूर्णिया जैसे बड़े शहर शामिल हैं। इसके अलावा सोनपुर, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, भागलपुर और छपरा भी सूची में हैं। इन शहरों के आसपास के इलाकों में जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगी है।

अलग-अलग शहरों के लिए अलग समय सीमा

मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, भागलपुर और छपरा में रोक 30 जून 2027 तक रहेगी। वहीं पटना समेत अन्य शहरों में यह 31 मार्च 2027 तक लागू है। समय सीमा तय कर सरकार ने स्पष्ट रोडमैप दिया है। इससे प्रशासनिक प्रक्रिया में पारदर्शिता आने की उम्मीद है।

मास्टर प्लान बनने तक पूरी तरह रोक

नगर विकास विभाग के अनुसार मास्टर प्लान बनने तक प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान किसी भी तरह का निर्माण कार्य भी नहीं होगा। लैंड यूज, कोर एरिया और इंफ्रास्ट्रक्चर का खाका तैयार किया जाएगा। योजनाबद्ध तरीके से विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

सैटेलाइट सिटी प्लान से बदलेगा खेल

सरकार इन शहरों के आसपास सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करेगी। इससे भीड़भाड़ वाले शहरों का दबाव कम किया जाएगा। नए शहरों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं दी जाएंगी। यह कदम शहरीकरण को व्यवस्थित बनाने की दिशा में अहम है।

मुंबई: गोवंडी में भीषण आग का दिखा तांडव

- **देखते ही देखते जलकर खाक हुईं कारें, धमाके से दहला इलाका**

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के गोवंडी इलाके में आज सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब खड़ी गाड़ियां अचानक आग का गोला बन गईं। आग की चपेट में आने से कम से कम 10 कार क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना घाटकोपर-मानखुर्द लिंक रोड पर बैंगनवाड़ी सिग्नल के पास सुबह करीब 11:45 बजे हुई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में आग की लपटें इतनी भयानक थीं कि एक कार का सीएनजी सिलेंडर भी धमाके के साथ फट गया।

- **राजस्थान-यूपी में सड़कों पर पानी छिड़का जा रहा; मप्र में भी पारा हाई, देश के 16 शहरों में पारा 43 डिग्री के पार**

देश के आधे से ज्यादा राज्यों में हीटवेव जारी

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ (एजेंसी)। देश के आधे से ज्यादा राज्यों में हीटवेव जारी है। बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कई शहरों में पारा 40 डिग्री से 45 डिग्री के बीच बना हुआ है। महाराष्ट्र का वर्धा और ओडिशा का झारसुगुड़ा बुधवार को 44.6 डिग्री तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। वहीं देश के 16 शहरों में पारा 43 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया।

हीटवेव को देखते हुए ओडिशा सरकार ने दोपहर के समय जनगणना प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। यानी फील्ड स्टाफ सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के दौरान सड़कों पर नहीं भटकेंगे। राजस्थान और यूपी में ठंडक के लिए सड़कों पर पानी छिड़का जा रहा है। बीकानेर, ग्वालियर के जू में जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए कूलर लगाए गए हैं। इधर, दिल्ली के स्कूलों में वॉटर बेल सिस्टम लागू किया जाएगा। हर 45 से 60 मिनट में घंटी बजाई जाएगी, ताकि छात्रों को पानी पीने की याद दिलाई जा सके और डिहाइड्रेशन से बचाया जा सके। मौसम विभाग ने प्रदेश में 24 अप्रैल से हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में गर्म हवाओं के थपेड़े जारी थे। खजुराहो सबसे गर्म था, पारा 43.4 डिग्री था, 19 जिलों में आज लू का अलर्ट जारी किया। वहीं बिहार-बक्सर में 44.4 डिग्री पहुंचा तापमान पहुँच गया, 10 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बौद्धिक प्रदूषण और नशे के खिलाफ लड़ाई, केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं,एक सामाजिक युद्ध

(लेखक - किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी मानव सभ्यता को तकनीक, विज्ञान, स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व ऊँचाइयों तक ले जा रही है, लेकिन इसी प्रगति के समानांतर दुनियाँ दो ऐसी अदृश्य और बढ़ती चुनौतियों से जूझ रही है, जिनका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक, गहरा और दीर्घकालिक स्तरपर भविष्य के निर्माता युवाओं पर पड़ रहा है है, वो है बौद्धिक प्रदूषण और नशा जिसके खिलाफ़ समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बन गई है।पर्यावरणीय प्रदूषण के समाधान की दिशा में वैश्विक तंत्र,कानून, विज्ञान और तकनीक सतत सुधार के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हवा, पानी, प्लास्टिक, कचरा, औद्योगिक उत्सर्जन और कार्बन फुटप्रिंट को नियंत्रित करने के लिए नीतियाँ, शोध, संस्थान और संसाधन मौजूद हैं, लेकिन बौद्धिक प्रदूषण और नशे के विरुद्ध सामाजिक उत्तरदायित्व उतनी तेजी और सटीकता से नहीं बन पा रहा है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि जब प्रश्न मानव चेतना, विचार, मूल्य और मानसिकता के प्रदूषण का हो,तो समाधान पारंपरिक नहीं रह जाता, बल्कि वह नैतिक, बौद्धिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक हस्तक्षेपों पर आधारित हो जाता है। यही कारण है कि बौद्धिक प्रदूषण किसी भी सभ्यता को भीतर से कमजोर करने वाला सबसे खतरनाक अदृश्य स्मॉग बन चुका है, जिसकी तुलना किसी भी भौतिक प्रदूषण से नहीं की जा सकती।इसी प्रकार नशा आज केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, जनसंख्या, परिवार, शिक्षा, अपराध, मानव संसाधन और राष्ट्रीय विकास से जुड़ेबहुआयामी संकट का रूप ले चुका है। यह सोचना कि नशाखोरी रोकना केवल पुलिस, कानून या दंड व्यवस्था की जिम्मेदारी है, एक गलत और सीमित दृष्टिकोण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नशे के बढ़ते मामलों में 70 प्रतिशत जड़ें सामाजिक व्यवहार, वातावरण,परिवार, सांस्कृतिक प्रभाव और मानसिक तनाव से जुड़ी होती हैं, जबकि कानून केवल अंतिम चरण में हस्तक्षेप करता है। इसलिए नशे के खिलाफ लड़ाई वास्तव में समाज,परिवार शिक्षा तंत्र, स्वास्थ्य संस्थान, मीडिया, धार्मिक-सांस्कृतिक समुदायों और शासन प्रणाली इन सभी का संयुक्त युद्ध है। साथियों बात अगर हम बौद्धिक प्रदूषण एक अदृश्य खतरा और वैश्विक संकट है इसको समझने की करें तो बौद्धिक प्रदूषण को सरल शब्दों में परिभाषित किया जाए तो यह वह स्थिति है जब मनुष्य की सोच, समझ, विवेक, निर्णय-क्षमता और नैतिक चेतना गलत,भ्रमित, पक्षपातपूर्ण उग्र, हिंसक, असत्य या दुष्प्रभावित विचारों से प्रभावित हो जाती है। यह प्रदूषण किसी फैक्ट्री के धुएँ या वाहन के धुएँ की तरह दिखाई नहीं देता, लेकिन इसका नुकसान किसी भी वायु प्रदूषण से बड़ा हो सकता है, क्योंकि यह व्यक्ति को विचारों, धारणाओं और सूचनाओं के भ्रमजाल में फँसा कर उसकी तार्किक क्षमता और सामाजिक चेतना को नष्ट कर देता है। फेक न्यूज, नफरत आधारित प्रचार, कट्टर राष्ट्रवाद, उग्रवाद, नस्लीय विभाजन, षड्यंत्र,धार्मिक उन्माद, डिजिटल हेरफेर, गलत सूचना, दुष्प्रचार, हेट स्पीच और सोशल मीडिया एल्गोरिद्म के माध्यम से फैलने वाला भ्रम,आज दुनियाँ भर के देशों में बौद्धिक प्रदूषण के मुख्य स्रोत बन चुके हैं।तकनीक और ज्ञान की उपलब्धता जितनी तेज़ी से बढ़ी है, उतनी ही तेजी से मानव मन की ग्रहणशीलता पर अनियंत्रित सूचनाओं का बोझ बढ़ा है। इंटरनेट ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया, लेकिन उसी ने अज्ञान को भी संस्थागत रूप दे दिया। अब सत्य और असत्य में फर्क करना एक आम नागरिक के लिए पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है। यह बौद्धिक धुंध न केवल व्यक्ति के विवेक को प्रभावित करती है, बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक सद्भाव, शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और मानवीय मूल्यों को भी कमजोर करती है। इतिहास गवाह है कि सभ्यताएँ बाहरी हमलों से कम, आंतरिक भ्रम, विभाजन, गलत विचारधारा और मानसिकप्रदूषण से अधिक टूटती हैं। इसी कारण बौद्धिक प्रदूषण मानवता के लिए एक साइलेंट ग्लोबल पैंडेमिक बनकर उभरा है। साथियों बात अगर हम क्या बौद्धिक प्रदूषण का समाधान संभव है? इसको समझने की करें तो, भौतिक प्रदूषण के समाधान स्पष्ट हैं, फिल्टर, रिसाइक्लिंग प्रतिबंध, तकनीक, कानून और स्वच्छ ऊर्जा। लेकिन बौद्धिक प्रदूषण का समाधान विज्ञान नहीं, बल्कि चेतना, शिक्षा, नैतिकता, संवाद, मीडिया जिम्मेदारी और सामाजिक संरचना के सुधार में निहित है। यह प्रदूषण तब पनपता है जब समाज तर्क की जगह अंधानुकरण को अपनाता है,जब शिक्षा ज्ञान की जगह अंकों पर आधारित हो जाती है, जब मीडिया सूचना की जगह सनसनी को बेचने लगता है,और जब तकनीक सत्य की जगह भ्रम को अधिक प्रोत्साहित करती है। इसलिए समाधान बहुस्तरीय होना चाहिए,समालोचनात्मक सोच पर आधारित शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तथ्य-आधारित संवाद, मीडिया पारदर्शिता, सामाजिक संवाद, युवा नेतृत्व और बहु सांस्कृतिक सम्मान की संस्कृति। बौद्धिक प्रदूषण को किसी एक संस्था, कानून या सरकार द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह एक मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक चुनौती है। यह समाधान तभी संभव है जब वैश्विक समाज सत्य को मूल्य के रूप में स्वीकार करे, संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे और शिक्षा को नौकरी नहीं बल्कि चेतना- निर्माण का माध्यम समझे। हर परिवार,हर स्कूल,हर विश्वविद्यालय और हर राष्ट्र को यह स्वीकार करना होगा कि विचारों की शुद्धता सभ्यता के अस्तित्व के लिए अनिवार्य है। यदि मन प्रदूषित है तो प्रगति विनाश बन जाती है, और यदि विचार निर्मल हैं तो मानवता हर संकट का समाधान ढूँढ सकती है। साथियों बात अगर हम नशे के खिलाफ़ लड़ाई,केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं,एक सामाजिक युद्ध है इसको समझने की करें तो, नशा किसी एक देश, समाज, धर्म, वर्ग या उम्र की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक महामारी है। ड्रग्स, शराब, तंबाकू, सिंथेटिक नशीले पदार्थ, प्रिस्क्रिप्शन ड्रग्सका दुरुपयोग, गेमिंग और डिजिटल एडिक्शन ये सभी आधुनिक नशे के विस्तृत रूप हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनियाँ में हर वर्ष 3 करोड़ से अधिक लोग नशे से सीधे प्रभावित होते हैं और लाखों की मौतें इससे जुड़ी बीमारियों और अपराधों के माध्यम से होती हैं। नशा केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं,बल्कि अपराध, सीमा पार तस्करी, आतंकवाद, मानव तस्करी,घरेलू हिंसा, सड़क दुर्घटनाएँ,आत्महत्या, स्कूल ड्रॉप -आउट, बेरोजगारी और आर्थिक क्षति जैसे व्यापक संकटों को जन्म देता है।यह मान लेना कि इस समस्या को पुलिस, कानून और दंडात्मक व्यवस्था अकेले समाप्त कर देगी, एक बड़ी भूल है।

पुलिस केवल अपराध को रोक सकती है, आदत को नहीं; कानून केवल सजा दे सकता है, मानसिकता को नहीं; और दंड केवल भय पैदा कर सकता है, समाधान नहीं। नशे की जड़ें मानसिक तनाव, सामाजिक दबाव, परिवारिक टूटन, बेरोजगारी, अकेलापन, हिंसा, निराशा, असमानता और गलत संगत में छिपी होती हैं। इसलिए नशा एक मनोवैज्ञानिक सामाजिक और सांस्कृतिक संकट है, जिसका समाधान केवल दंड नहीं बल्कि पुनर्वास, संवाद,शिक्षा,सामुदायिक सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व में है। परिवारों को प्रारंभिक पहचान सीखनी होगी, स्कूलों को निवारक शिक्षा देनी होगी,मीडिया को नैतिक जिम्मेदारी निभानी होगी, स्वास्थ्य संस्थानों को उपचार और परामर्श को केंद्र में रखना होगा, और समाज को नशाखोर को अपराधी नहीं बल्कि रोगी के रूप में समझकर उसके पुनर्निर्माण का प्रयास करना होगा। यह संघर्ष तभी जीता जा सकता है जब समाज नशे को शर्म नहीं, समस्या माने; अपराध नहीं, बीमारी समझे; और दंड नहीं, उपचार को प्राथमिकता दे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि बौद्धिक प्रदूषण और नशा दोनों अदृश्य संकट हैं, लेकिन इनके प्रभाव दृश्यमान,गहरे और विनाशकारी हैं। पहला मानव की सोच को विकृत करता है, दूसरा शरीर और जीवन को नष्ट करता है। एक सभ्यता को भीतर से गिराता है, दूसरा समाज की ऊर्जा और युवा शक्ति को खोखला करता है। और सबसे महत्वपूर्ण,इन दोनों से लड़ाई केवल कानून या सरकार नहीं जीत सकती। यह मानवता का संघर्ष है, समाज का दायित्व है, शिक्षा का मिशन है और प्रत्येक नागरिक की जागरूक भूमिका का विषय है। यदि विचार शुद्ध हों और समाज जिम्मेदार हो, तो मानवता इन दोनों संकटों पर विजय पा सकती है। लेकिन यदि हम मौन रहे, उदासीन रहे या जिम्मेदारी टालते रहे,तो प्रगति के बावजूद सभ्यता का भविष्य सुरक्षित नहीं रहेगा।

(संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

झुलसती जिंदगी

एक वैश्विक संस्था एक्यूआई.इन के हालिया आंकड़ों से यह परेशान करने वाली तस्वीर उभरी है कि दुनिया के सबसे गर्म बीस शहरों में 19 भारत के हैं। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान का मुख्य कारक है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकारों व आम नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में है। घटता वनों का दायरा और हमारी जीवनशैली में बदलाव से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ते तापमान का एक कारक बन रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों तक बारिश के बाद लोग अप्रैल माह में भी ठंड का अनुभव कर रहे थे। उसके कुछ ही दिन बाद तुरंत लू चलने लगी। यह अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है। तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दर्शाता है। चिंता की बात यह है कि गर्मी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है। फिक्र की बात यह है कि अप्रैल के चौथे सप्ताह में ही देश के कई शहर हीटवेव की सीमा से आगे बढ़ गए हैं। देश में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को हीटवेव चलने की चेतावनी दी गई है। गर्मी का आलम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। दिल्ली के स्कूलों में एक समय अवधि घंटी बजाकर छात्रों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा ताकि वे पानी पीकर गर्मी की चुनौती का मुकाबला करें। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देश के तमाम राज्यों में जीवन रक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। कई जगह श्रमिकों के दिन में कुछ घंटों में काम करने पर रोक लगायी गई है। महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला गया है। तमाम शहरों में लू के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। कई जगह ट्रैफिक सिग्नल बंद किए गए ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। सड़कों, बस स्टेशनों तथा रेलवे स्टेशनों में पानी की फुहार के जरिये गर्मी से राहत देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताजमहल देखने पहुंचे कई पर्यटकों के बेहोश होने के समाचार हैं। गर्मी के चलते राजस्थान के कई पर्यटक स्थलों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट के संकेत हैं। आशंका जताई जा रही है कि इस सप्ताह दिल्ली में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। बहरहाल, इन तमाम चिंताओं के बीच प्रश्न यह है कि अप्रत्याशित गर्मी क्यों बढ़ रही है। दरअसल, अप्रैल माह में प्री-मानसून हीट पीरियड के चलते जमीन पर पड़ने वाली तेज धूप गर्मी का एक कारण है। बताया जाता है कि हिमालयी क्षेत्रों में कम बर्फबारी भी गर्मी बढ़ने का एक कारक है। वहीं समुद्री सतह के गर्म होने से भी गर्मी का असर तेज हो रहा है। फलतः वातावरण में ठंडक लाने वाली हवाएं व सिस्टम कमजोर होने से, वे ही गर्मी बढ़ाने का काम कर रहे हैं। वहीं शुष्क हवाएं बादल बनने में अवरोध पैदा करके बारिश की संभावना को कम कर दे रही हैं। निश्चित रूप से यह जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की भी देन है। यह वर्तमान ही नहीं, भविष्य में भी और तापमान बढ़ने की चिंता भी दर्शाता है।

नारी शक्ति का वंदनः अधिकार के साथ दायित्व का संकल्प

संगीता माहेश्वरी, पूर्व ज़िलाध्यक्ष, महिला मोर्चा, कोटा देहात

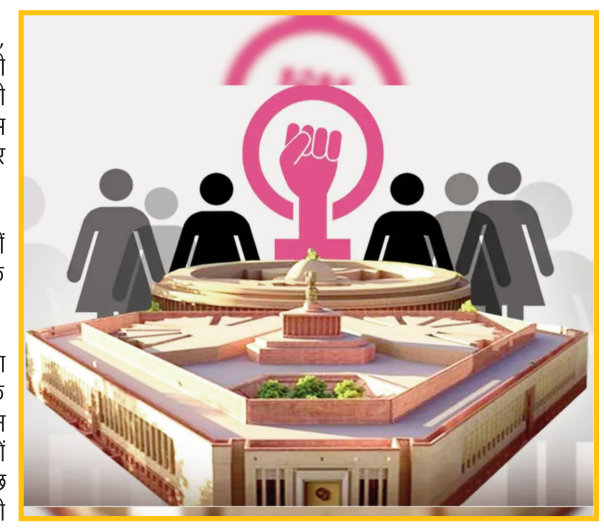

तुम पावन श्रद्धा हो। तुम शक्ति हो। तुम सृजन हो। तुम ही इस राष्ट्र की संस्कृति और संस्कार की वाहक हो। फिर अपने हक के लिए इतनी प्रतीक्षा क्यों?

नारी शक्ति वंदन अधिनियम में 33% महिला आरक्षण की घोषणा हुई। पूरे देश की महिलाओं ने उम्मीद बांधी कि अब संसद और विधानसभाओं में उनकी आवाज मजबूत होगी। 16 अप्रैल 2026 को कानून लागू होने की बात कही गई, पर धरातल पर उसका लाभ आज भी अधूरा है। स्वाभाविक है कि हर महिला को पीड़ा है, आक्रोश है। यह आक्रोश जायज है।

परंतु इस संघर्ष के बीच हमें खुद से एक प्रश्न जरूर पूछना चाहिए। क्या केवल 33% सीट आरक्षित हो जाने से हर घर की महिला निर्भीक हो जाएगी? क्या आरक्षण का प्रमाणपत्र मिलते ही हमारे भीतर साहस और आत्मविश्वास का संचार अपने आप हो जाएगा? सत्य यह है कि कानून हमें दरवाजा दिखा सकता है, पर उस दरवाजे से आत्मसम्मान के साथ गुजरने का साहस हमें स्वयं ही जुटाना होगा।

जमीनी सच्चाई को समझना होगा

यह कड़वा अनुभव है कि आरक्षण लागू होने के बाद भी प्राथमिकता अक्सर उन्हीं महिलाओं को मिलती है जिनकी राजनीतिक परिवारों में पहले से पहुंच है। मेरी गांव-ढाणी की वह बहन जो सुबह से शाम तक खेत में काम करती है, जो अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए संघर्ष करती है, जो हर सरकारी योजना के लिए दफ्तरों के चक्कर काटती है — वह आम महिला फिर भी अवसर की लाइन में ही खड़ी रह जाती है।

इससे भी चिंताजनक है विश्वसनीयता के नाम पर होने वाला छल। कई बार महिलाओं को यह कहकर राजनीति में आगे लाया जाता है कि "पार्टी को तुम पर पूर्ण भरोसा है, तुम चुनाव लड़ो।" परंतु बाद में उन्हें निर्णय लेने की स्वतंत्रता और सम्मान नहीं मिलता। महिलाओं की भावनाओं के साथ होने वाला यह व्यवहार अब समाप्त होना ही चाहिए। हमें उपयोग नहीं, नेतृत्व का अवसर चाहिए।

समाधान की दिशाः दो संकल्प अभी लेने होंगे

केवल धरना-प्रदर्शन से स्थायी परिवर्तन नहीं आएगा। परिवर्तन तब आएगा जब हर महिला के भीतर आत्मबल की लौ जलेगी।

पहला संकल्पः राजनीति को स्वच्छ बनाएं

जब तक दुराचारी, भ्रष्ट और दागी छवि के लोग नीति निर्धारण के पदों पर बने रहेंगे, तब तक ईमानदार और सक्षम महिलाओं के लिए मार्ग कठिन रहेगा। इसलिए समाज को जागना होगा। ऐसे लोगों को सदन से बाहर का रास्ता दिखाना होगा। स्वच्छ राजनीति ही स्वस्थ लोकतंत्र और नारी सशक्तिकरण की पहली शर्त है।

दूसरा संकल्पः स्वयं को नेतृत्व के लिए तैयार करें

हमें खुद को इतना शिक्षित, जागरूक और कुशल बनाना होगा कि हम किसी की कृपा पर निर्भर न रहें। संविधान पढ़ें, कानून समझें, समाज की समस्याओं पर अपनी राय बनाएं। हमें वोट बैंक नहीं, लीडरशिप बैंक बनना है। जब हमारी बहनें हर क्षेत्र में सक्षम होंगी, तो अवसर स्वयं चलकर उनके द्वार आएंगे।

याद रखेंः आरक्षण सीढ़ी है, मंजिल साहस है

आरक्षण निस्संदेह एक आवश्यक सीढ़ी है, पर मंजिल नहीं। 33% सीटें मिल भी जाएं, तो उन पर बैठकर 100% ईमानदारी और निर्भीकता से जनहित के फैसले लेने का साहस चाहिए। और यह साहस कोई अधिनियम नहीं दे सकता। यह साहस शिक्षा से, अनुभव से और आत्मगौरव से आता है।

इसलिए आरक्षण की मांग पूरी शक्ति से करें, यह हमारा संवैधानिक अधिकार है। परंतु साथ ही अपने भीतर की उस शक्ति को जगाएं जो अपने पुरुषार्थ से कुर्सी तक पहुंचे और वहां बैठकर भी बिना झुके, बिना रुके, केवल राष्ट्र और समाज के कल्याण के लिए कार्य करे।

क्योंकि तुम पावन श्रद्धा हो। तुम अबला नहीं, सबला हो।

और सबला अपना अधिकार पहचानती है, मांगती है और पूरी जिम्मेदारी से निभाती भी है।

अब समय हैः संकल्प से सिद्धि तक की यात्रा शुरू करने का।

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

विचार मंथन

चुनाव आयोग की तार्किक विसंगति बनाम अतार्तिक विसंगति?

लेखक- सनत जैन

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में तार्किक विसंगति के नाम पर 27 लाख, 10 हजार नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए हैं। इन नागरिक मतदाताओं को अंतिम समय तक वोट डालने का अधिकार नहीं मिला। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 19 न्यायाधिकरण भी बनाए गए। यह भी मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा नहीं कर पाए। लाखों की संख्या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो गए। यह सब लोकतांत्रिक, संवैधानिक संस्थाओं ने अधिकारों के नाम पर किया है। इस प्रक्रिया में इन लाखों मतदाताओं के अधिकार कहां चले गए। इसमें कौन सा तर्क है, और कौन सा वितर्क है? इसका जवाब कोई नहीं दे रहा है। जो ट्रिब्यूनल सुप्रीम कोर्ट आदेश पर बनाए गए थे, उन्हें मतदान के दो दिन पहले तक सुनवाई कर निर्णय देना था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दो दिन पहले तक मतदाता सूची को अपडेट करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग को दी थी। याचिकाकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट में भरोसा दिलाया गया था, मतदाताओं के साथ न्याय होगा। सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, ट्रिब्यूनल सब जगह मतदाता घूमते रह गए। कहीं से भी न्याय नहीं मिला। लाखों मतदाताओं ने सुनवाई के लिए ट्रिब्यूनल में आवेदन लगाए। 21 अप्रैल तक मात्र 138 लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। चुनाव आयोग ने तार्किक विसंगति के पक्ष में जो तर्क सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में दिए थे, वह सब हवा-हवाई साबित हुए। 2002 की मतदाता सूची में जिन मतदाताओं के नाम थे, तार्किक विसंगति के नाम पर उनके भी नाम काट दिए गए।

इसका क्या तर्क है, यह चुनाव आयोग नहीं बता पा रहा है। इसको देखते हुए यही कहा जा सकता है- समरथ को नहीं दोष गुसाईं। चुनाव आयोग ने तार्किक विसंगति के नाम पर पहले 60 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए। जिनके नाम कटे उसमें सारे गरीब- गुरवे थे, जो कई दिनों तक नाम जुड़वाने के लिए अपनी नौकरी, कारोबार, मजदूरी छोड़कर चक्कर लगाते रह गए। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के नाम पर उन्हें भूखा भी रहना पड़ा। मजदूरी पर नहीं जाने के कारण उनके परिवार के लोगों को खाने-पीने और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा।

जिस जनता के अधिकारों के लिए चुनाव आयोग, हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट व राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है, वह उनके अधिकारों की रक्षा करने में सफल नहीं हो पाए। तार्किक विसंगति के नाम पर सही मतदाता सूची को बनाने के नाम पर लाखों मतदाताओं के नाम जोड़ने की जगह काटे गए है। करोड़ों रुपए इसमें सरकारी खजाने से खर्च किए गए।

कई राज्यों के न्यायिक अधिकारियों को चुनाव के काम में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से लगा दिया गया। इसका कोई फायदा ही नहीं हुआ। गरीब आखिर गरीब ही होता है। गलती कोई भी करे, गरीब के नसीब में यदि कष्ट लिखा हुआ है, तो कोई क्या कर सकता है।

चुनाव आयोग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए तार्किक विसंगति की जो रूपरेखा तय की थी, उसका उपयोग केवल पश्चिम बंगाल में किया गया है। चुनाव आयोग और उसमें काम करने वाले लोगों ने डाटा एंट्री मे जो गलती की हैं, उनके द्वारा तैयार किए गए सॉफ्टवेयर की गलतियों का खामियाजा पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को भोगना पड़ा है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। सबसे बड़ी आशंका की बात यह है, बांग्लादेश में जब शेख हसीना का चुनाव हुआ था।

वहां पर भी कुछ इसी तरह की स्थितियां बनी थीं। बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने शेख हसीना की पार्टी को चुनाव जिताने के लिए जो मदद की थी, अब वही सब कुछ पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रहा है। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव में जिस तरह की क्रिया और प्रतिक्रिया की जा रही है।

उसके परिणाम किस रूप में सामने आयेंगे कहना मुश्किल है। बांग्लादेश में भी बंगाली समुदाय और बंगाली संस्कृति के नागरिक थे। पश्चिम बंगाल में भी बंगाली हैं। बंगालियों का डीएनए एक तरह का है। यह आसानी से अपने ऊपर जुल्म बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। यह बंगालियों का इतिहास है। तार्किक विसंगति के नाम पर कुतर्क का जो खेल पश्चिम बंगाल में खेला गया है, उसकी परणति किस रूप में होगी इसका पता तो भविष्य में ही चलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एमपीसी की बैठक पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के आर्थिक प्रभावों पर केंद्रित रही

ऊर्जा कीमतों में वृद्धि और अल नीनो का जोखिम प्रमुख चिंताएं बनीं

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अप्रैल बैठक पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के आर्थिक प्रभावों पर केंद्रित रही। समिति ने सर्वसम्मति से नीतिगत रीपो दर को अपरिवर्तित रखने और अनिश्चितता के बीच तटस्थ नीतिगत रुख बनाए रखने पर सहमति जताई। एमपीसी सदस्यों ने वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर संभावित चुनौतियों, विशेषकर चालू खाते के घाटे (कैड) में वृद्धि और मुद्रास्फीति दबावों पर गहरी चिंता व्यक्त की। एमपीसी सदस्यों ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कई चुनौतियों की ओर इशारा किया, जिनमें निर्यात पर प्रभाव, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में बाधा, ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, धन प्रेषण में कमी तथा वैश्विक मांग का कमजोर पड़ना शामिल हैं। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने स्वीकार किया कि आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान वृद्धि के लिए नकारात्मक और मुद्रास्फीति के लिए सकारात्मक जोखिम पैदा करते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है और इन झटकों को सहन करने में सक्षम है। अस्थायी युद्धविराम की घोषणा के मद्देनजर, उन्होंने निर्णायक कदम उठाने से पहले प्रतीक्षा और निगरानी के विवेकपूर्ण दृष्टिकोण का समर्थन किया। डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने भविष्य की नीतिगत कार्रवाई को डेटा-आधारित रखने और अर्थव्यवस्था की उत्पादक आवश्यकताओं का समर्थन करने पर जोर दिया। आंतरिक सदस्य इंद्रनील भट्टाचार्य ने आपूर्ति-जनित मुद्रास्फीति को कम करने में मौद्रिक नीति की सीमित क्षमता पर प्रकाश डाला, जबकि बाहरी सदस्य राम सिंह ने चेतावनी दी कि संघर्ष भारत के गोल्डीलॉक्स स्थिति (कम मुद्रास्फीति और उच्च वृद्धि) को उलट सकता है। एक अन्य बाहरी सदस्य सौगत भट्टाचार्य ने अल नीनो की संभावित शुरुआत और बढ़ती मुद्रास्फीति अपेक्षाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अनिश्चितता अभी भी अधिक है, जिससे भारत का भुगतान संतुलन और व्यापार प्रभावित होने की संभावना है।

मदर डेरी का 27 तक 24,000 करोड़ राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

डेरी ब्रांड मदर डेरी ने वित्त वर्ष 27 तक अपने राजस्व को 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है, जो 20 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। कंपनी अपनी देशव्यापी उपस्थिति को मजबूत करने और गर्मी के सीजन का लाभ उठाने की योजना बना रही है। मदर डेरी के एक अधिकारी के अनुसार कंपनी दिल्ली से बाहर अपनी मौजूदा 37 फीसदीस्सेदारी को बढ़ाकर 43-45 फीसदी करना चाहती है, जिसमें बिहार और आंध्र प्रदेश जैसे नए क्षेत्र शामिल होंगे। वित्त वर्ष 26 में 20,300 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करने वाली मदर डेरी, अब अपनी दूध उत्पादन क्षमता को प्रतिदिन 60 लाख लीटर से बढ़ाकर 70 लाख लीटर करेगी। इसके लिए बिहार में दो और उत्तराखंड में एक नया संयंत्र तीन महीने में चालू होगा। उत्तर प्रदेश में तीन संयंत्रों का अधिग्रहण भी किया गया है, जिससे विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 852 , निफ्टी 205 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट अमेरिक और ईरान के बीच तनाव को देखते हुए दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी नाकाबंदी से भी कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा है। आज कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 852.49 अंक फिसलकर 77,664 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 205.05 अंक नीचे आकर 24,173.05 पर पहुंच गया।आज सेंसेक्स 77,574.18 के सबसे निचले स्तर पर वहीं निफ्टी 243 अंक गिरकर 24,134.80 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस प्रकार केवल दो सत्रों में सेंसेक्स करीब 1,600 अंक तक गिर गया है। आज सत्र के दौरान, व्यापक बाजार सूचकांक गिरे हैं। वहीं पिछले सत्र में बाजार में गिरावट के बावजूद व्यापक सूचकांक लाभ पर बंद हुए थे। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में जहां 0.67 फीसदी की गिरावट रही। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.41 फीसदी की गिरावट आई।

क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी फार्मा और निफ्टी मीडिया को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी ऑटो में 2.35 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 2.19 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 1.83 फीसदी, और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.38 फीसदी रही।आज निफ्टी के सिप्ला, अदाणी इंटरप्राइजेज, कोल इंडिया, अपोलो हॉस्पिटल, अदाणी पोर्ट्स, ओएनजीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। दूसरी ओर , श्रीराम फाइनेंस, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस, एसबीआई लाइफ, टीएमपीवी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।होर्मुज जलडमरूमध्य की जारी नाकाबंदी के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 604.76 अंक की गिरावट के साथ 77,911.73 पर खुला।

34 किस्म की कारों पर 50 हजार से लेकर 3.5 लाख तक छूट

-आगे और भी छूट की संभावना

आटो सेक्टर में महंगाई की मार

मुंबई।

ऑटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों को लुभाने के लिए कंपनियां बड़ी छूट दे रही हैं। देश की तीन प्रमुख कार कंपनियों ने करीब 34 मॉडल्स पर 50 हजार रुपये से लेकर 3.5 लाख रुपये तक का डिस्काउंट घोषित किया है। इसमें एसयूवी, हैचबैक और सेडान सभी सेगमेंट शामिल हैं। बढ़ती महंगाई, ऊंची ब्याज दरें और मांग में कमी के कारण बिक्री प्रभावित हुई है, जिसके चलते कंपनियां ऑफर के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रही हैं। डीलर्स के अनुसार आने वाले समय में और ज्यादा छूट मिलने की संभावना है, खासकर पुराने स्टॉक को क्लियर करने के लिए। इससे

ग्राहकों को सस्ती कीमत पर गाड़ी खरीदने का अच्छा मौका मिल रहा है।

भारतीय बंदरगाह वैश्विक लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक हब बनने को तैयार

2047 तक शीर्ष 5 शिपबिल्डिंग देशों में शामिल होने का लक्ष्य

नई दिल्ली । केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव विजय कुमार ने घोषणा की है कि भारत के बंदरगाह अब केवल कार्गो आवाजाही के केंद्र नहीं, बल्कि एकीकृत लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक हब के रूप में तेज़ी से विकसित हो रहे हैं। उन्होंने सिंगापुर में वैश्विक निवेशकों को संबोधित करते हुए भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का अभिन्न अंग बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। सचिव कुमार ने बताया कि 2013-14 से बंदरगाहों की कार्गो हैंडलिंग क्षमता दोगुनी होकर 2,771 मिलियन टन प्रति वर्ष हो गई है। सरकार ने 2030 तक इसे 3,500 एमटीपीए और 2047 तक 10,000 एमटीपीए तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में प्रमुख बंदरगाहों ने 915 मिलियन टन का रिकॉर्ड कार्गो संभाला। भारत 2047 तक दुनिया के शीर्ष 5 जहाज निर्माण देशों में शामिल होने की तैयारी में है। अगले 15 वर्षों में लगभग 2.2 लाख करोड़ रुपये की लागत से 437 जहाजों की मांग पूरी करने की योजना है, जिसके लिए 34 जहाजों के टेंडर पहले ही जारी हो चुके हैं। सीएमए सीजीएम और रेड्डीएट स्टेनरसन जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के भारतीय शिपयार्डों को दिए गए बड़े ऑर्डर वैश्विक विश्वास को दर्शाते हैं। सतत विकास पर जोर देते हुए, भारत का समुद्री क्षेत्र ग्रीन पोर्ट, ग्रीन फ्यूल और ग्रीन वेसल्स पर केंद्रित है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत कांडला, पारादीप और तूतीकोरिन बंदरगाहों को ग्रीन हाइड्रोजन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। बैठक के दौरान हुए सात महत्वपूर्ण बिजनेस-टू-बिजनेस समझौते भारत के समुद्री क्षेत्र में बढ़ते वैश्विक भरोसे और निवेश की संभावनाओं का संकेत हैं।

रियल एस्टेट में रिकॉर्ड पूंजी प्रवाह, पहली तिमाही में 5.1 अरब डॉलर निवेश

72 फीसदी की सालाना वृद्धि के साथ 2026 की पहली तिमाही में ऐतिहासिक उछाल

नई दिल्ली।

देश के रियल एस्टेट क्षेत्र ने 2026 की पहली तिमाही में रिकॉर्ड 5.1 अरब डॉलर का पूंजी निवेश आकर्षित किया है। यह सालाना आधार पर 72 प्रतिशत (2025 की पहली तिमाही के 2.9 अरब डॉलर से) और पिछली तिमाही की तुलना में 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जो भारतीय रियल एस्टेट के बुनियादी आधार में संस्थागत निवेशकों के लगातार बढ़ते भरोसे को उजागर करता है। रियल एस्टेट परामर्श फर्म सीबीआरई साउथ एशिया ने यह जानकारी दी है। सीबीआरई के आंकड़ों के अनुसार यह अब तक किसी भी तिमाही में हुआ सर्वाधिक पूंजी निवेश है। मुख्य रूप से डेवलपर इस प्रवाह के अग्रणी रहे, जिनके बाद रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कुल इक्विटी निवेश में घरेलू निवेशकों का दबदबा रहा, जिनकी हिस्सेदारी 96 प्रतिशत थी। इनमें डेवलपरों का हिस्सा 42 प्रतिशत और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का 40 प्रतिशत रहा। रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का निवेश 2 अरब डॉलर के पार पहुंच गया, जो पिछली तिमाही की तुलना में कई गुना वृद्धि है। यह पूंजी प्रवाह मुख्य रूप से निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों और जमीन/विकास स्थलों के अधिग्रहण में केंद्रित रहा, जिनकी कुल निवेश में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी थी। जमीन अधिग्रहण का 73 प्रतिशत से अधिक हिस्सा मिले-जुले उपयोग और आवासीय परियोजनाओं में लगाया गया, जबकि शेष कार्यालय, वेयरहाउसिंग और आतिथ्य-सत्कार विकास में गया। सीबीआरई के एक अधिकारी ने मजबूत आर्थिक ढांचे और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की गतिविधियों में वृद्धि को उत्साहजनक बताया, जो एक परिपक्व होते बाजार का संकेत है। उन्होंने भविष्य में विदेशी पूंजी के जोरदार वापसी की उम्मीद जताई। वहीं, सीबीआरई के एक अन्य अधिकारी ने गुणवत्तापूर्ण ऑफिस स्पेस और मिश्रित उपयोग व आवासीय विकास के लिए भूखंड अधिग्रहण में बढ़ती प्राथमिकता पर जोर देते हुए बाजार के मजबूत दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य के निवेश को प्रतिफल-केंद्रित आय वाली परिसंपत्तियों और उच्च-वृद्धि के अवसरों के बीच रणनीतिक संतुलन से परिभाषित होने की उम्मीद जताई।

सरकार ने सिलेंडर जमाखोरी पर बढ़ाई सख्ती

सरकारी नियम के तहत कट सकता है कनेक्शन और लग सकता है भारी जुर्माना!

नई दिल्ली ।

मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर दिया है, जिसका सीधा असर घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता पर दिख रहा है। सप्लाई धीमी होने और मांग बढ़ने के कारण कई उपभोक्ता घरों में अतिरिक्त सिलेंडर जमा करने लगे हैं।

इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने अब एलपीजी सिलेंडर के स्टॉक पर सख्ती बढ़ा दी है। सरकार की जमाखोरी पर नजर आपूर्ति में कमी और संभावित जमाखोरी को देखते हुए, सरकार ने अब घरेलू एलपीजी सिलेंडर के स्टॉक संबंधी नियमों को कड़ा कर दिया है। नियमों के मुताबिक, एक घरेलू उपभोक्ता एक निश्चित संख्या में ही सिलेंडर रख सकता है। तय सीमा से अधिक सिलेंडर पाए जाने पर इसे नियम का उल्लंघन माना जाएगा। सामान्य घरेलू एलपीजी कनेक्शन पर उपभोक्ताओं को आमतौर पर दो सिलेंडर रखने की अनुमति होती है, एक उपयोग में और दूसरा बैकअप के लिए।

इससे अधिक सिलेंडर रखना नियमों का उल्लंघन है,

हालांकि, विशेष परिस्थितियों में संबंधित विभाग से अनुमति लेकर अतिरिक्त सिलेंडर रखे जा सकते हैं। नियम तोड़ने पर गंभीर परिणाम नियमों का उल्लंघन करने पर उपभोक्ता का कनेक्शन रद्द किया जा सकता है और सिलेंडर जब्त किए जा सकते हैं। स्थिति की गंभीरता के अनुसार जुर्माना भी लगाया जा सकता है। जमाखोरी या गलत इस्तेमाल के मामलों में पुलिस कार्रवाई, भारी जुर्माना और यहां तक कि जेल की सजा भी हो सकती है।

एलपीजी के अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण सुरक्षा और कालाबाजारी रोकने के लिए भी इन सख्त नियमों का पालन अनिवार्य है।

मारुति सुजुकी ने 2025-26 में रिकॉर्ड उत्पादन किया दर्ज

नई दिल्ली ।

मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 में 23.4 लाख इकाई का अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन दर्ज किया है। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा कि वाहन विनिर्माता संगठन सियाम के आंकड़ों के अनुसार वह 23.4 लाख इकाई का उत्पादन करने वाली भारत की एकमात्र यात्री वाहन विनिर्माता है। मोटर वाहन विनिर्माता ने कहा कि वह सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन की वैश्विक मोटर वाहन विनिर्माण इकाइयों में इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने वाली एकमात्र कंपनी भी बन गई है।

आपदाएं अब आर्थिक चुनौती, लचीलापन उत्पादकता बढ़ाने वाला निवेश अनुराधा ठाकुर

नई दिल्ली ।

आर्थिक मामलों के विभाग की सचिव अनुराधा ठाकुर ने चेतावनी दी है कि आपदाएं अब केवल पर्यावरणीय चिंताएं नहीं, बल्कि वित्त मंत्रालयों के लिए गंभीर आर्थिक और विकासात्मक चुनौती बन गई हैं। सेंटर फॉर डिजास्टर रेजिलेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) सम्मेलन में उन्होंने यह बात कही। अनुराधा ठाकुर ने स्पष्ट किया कि क्षतिग्रस्त सड़कें, बाधित बिजली प्रणालियां और बाढ़ग्रस्त शहरी नेटवर्क सीधे तौर पर आर्थिक विकास में कमी, सार्वजनिक बजट पर दबाव और आजीविका में बाधा डालते हैं। उन्होंने कहा कि आपदाएं अब चिंताओं से बढ़कर मुख्य नीतिगत अनिवार्यताएं हैं, खासकर जब पिछले पांच दशकों में वैश्विक घटनाओं में लगभग पांच गुना वृद्धि हुई है।

सचिव ने जोर दिया कि लचीलापन आर्थिक रूप से समझदारी भरा है, क्योंकि शुरुआती सुदृढ़ीकरण से दीर्घकालिक लागत घटती है और व्यवधान टलते हैं। यह सिर्फ सुरक्षा उपाय नहीं, बल्कि उत्पादकता बढ़ाने वाला निवेश है। उन्होंने राष्ट्रीय बजट की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने हेतु सार्वजनिक वित्त में सक्रिय आपदा जोखिम वित्त ढांचों को शामिल करने का भी आह्वान किया।

ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर के बावजूद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान ने दो टैंकरों को अपने कब्जे में ले लिया, जिससे वैश्विक तेल बाजार में हड़कंप मच गया और ब्रेंट क्रूड की कीमतें 102 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गईं। इस रणनीतिक मार्ग के लगभग बंद होने से फारस की खाड़ी के प्रमुख उत्पादकों के निर्यात में भारी गिरावट आई है, जिससे वैश्विक आपूर्ति का डर बढ़ गया है। अमेरिकी नाकेबंदी को ईरान ने सीजफायर का उल्लंघन बताया है। ईरान के विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया है कि जब तक यह उल्लंघन जारी रहेगा, बातचीत संभव नहीं है। इससे सीजफायर टूटने और युद्ध के दोबारा छिड़ने का खतरा बढ़ गया है, क्योंकि शांति वार्ता की संभावना क्षीण है। एलएसईजी डेटा के अनुसार, पहले के 100 से अधिक जहाजों के मुकाबले अब केवल 8 जहाज ही यहां से गुजर रहे हैं, जो व्यापारिक ठहराव दर्शाता है। पूर्व में वैश्विक कच्चे तेल की लगभग 20 फीसदी आपूर्ति होर्मुज से होती थी। मौजूदा व्यवधान से आपूर्ति सामान्य होने और तेल के रिफाइन होने में महीनों लग सकते हैं।

चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल में 28 रुपए तक उछाल संभव

कच्चे तेल की कीमतों में आग से भारतीय रिफाइनरियों को 27,000 करोड़ मासिक नुकसान

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी से कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिसका असर अब भारतीय उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिफाइनरियां मासिक 27,000 करोड़ रुपए का नुकसान झेल रही हैं। यह भारी घाटा संकेत देता है कि आगामी विधानसभा चुनावों के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 25 से 28 रुपये प्रति लीटर तक की बड़ी वृद्धि संभव है। वर्तमान में ईंधन की कीमतें चुनावी सीजन के कारण स्थिर हैं, लेकिन कच्चे तेल की वैश्विक लागत और खुदरा मूल्य के बीच का अंतर असहनीय हो गया है। मध्य पूर्व में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसैनिक घेराबंदी जैसी वैश्विक स्थितियों के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित है, जिससे भारत का कच्चे तेल का आयात बिल प्रतिदिन 190-210 मिलियन डॉलर बढ़ रहा है। बाजार के जानकारों का कहना है कि यह बढ़ोतरी एक साथ न होकर, आम जनता को महंगाई के झटके से बचाने के लिए स्टैगर्ड अप्रोच के तहत किस्तों में की जाएगी। सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती और निर्यात पर विंडफॉल टैक्स जैसे आंशिक उपाय किए हैं, लेकिन ये स्थायी समाधान नहीं हैं, और रिफाइनरियों को लंबे समय तक यह घाटा उठाना मुश्किल है।

टेस्ला का भारत में बिक्री से पहले बुनियादी ढांचा मजबूत करने पर जोर

फास्ट चार्जिंग, घरेलू समाधान और बेहतर सेवा पर प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

टेस्ला भारत में अपनी इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री बढ़ाने से पहले एक मजबूत और व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसमें फास्ट-चार्जिंग नेटवर्क, घरेलू चार्जिंग समाधान और बेहतर सेवा क्षमताएं शामिल हैं, ताकि देश में ईवी अपनाने की राह में आने वाली ढांचागत बाधाओं को दूर किया जा सके। कंपनी का मानना है

कि भारतीय बाजार अभी इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के शुरुआती चरण में है, जहां उपभोक्ताओं में रेंज एंजाइटी (बैटरी खत्म होने की चिंता) और सर्विस सपोर्ट एक बड़ी चुनौती है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026 में भारत के यात्री वाहन बाजार में ईवी की हिस्सेदारी मात्र 4.2 फीसदी रही, जो इस सेगमेंट के शुरुआती दौर में होने का संकेत है। इसी अवधि में टेस्ला ने केवल 342 यूनिट्स बेचीं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कंपनी का जोर तत्काल बिक्री बढ़ाने पर नहीं है। फिलहाल, टाटा मोटर्स (78,000 से अधिक यूनिट्स) जैसे पारंपरिक निर्माता इलेक्ट्रिक यात्री वाहन खंड में हावी हैं, जो किफायती ईवी की मजबूत मांग को दर्शाता है। हालांकि टेस्ला का मानना है कि भारत में ईवी को व्यापक रूप से अपनाने के लिए स्वामित्व अनुभव को बेहतर बनाना सबसे अहम है। इसी रणनीति के तहत कंपनी ने 61,99,000 रुपये की कीमत पर टेस्ला मॉडल वाई को लॉन्च किया है, जिसका लक्ष्य देश में तेजी से बढ़ते प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करना है। कंपनी का ध्यान एक ऐसा सशक्त अनुभव बनाने पर है जो बैटरी खत्म होने की चिंता को कम करे और ग्राहकों को पूरी सुविधा प्रदान कर सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और टाइटंस का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। यहां के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटन्स से होगा। आरसीबी का लक्ष्य घरेलू मैदान पर इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपने कदम बढ़ाना रहेगा। आरसीबी ने अब तक 6 मे से 4 मैच जीते हैं जिससे उसके 8 अंक हैं और टीम अंकतालिका में तीसरे नंबर पर है। इस सत्र में उसने सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को आसानी से हराया, राजस्थान रॉयल्स से उसे हार मिली। इसके बाद मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स से वह जीती पर पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार गयी। आरसीबी के पास अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी हैं। टीम की कप्तानी रजत पाटीदार कर रहे हैं। गेंदबाजी भी टीम की अच्छी है। उसके पास भुवनेश्वर कुमार जैसा गेंदबाज है। वहीं दूसरी ओर गुजरात का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। उसने 6 में से 3 मैच जीते हैं, इससे उसके 6 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। उसे शुरुआत में पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा जबकि दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स व कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उसे जीत मिली पर मुंबई इंडियंस से हार मिली। टीम के पास कप्तानी शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बल्लेबाज है। वहीं टीम के पास कई अच्छे गेंदबाज हैं जिनमें कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा हैं। आंकडों पर नजर डालें तो दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से दोनो ने ही 3-3 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी- रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल, टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी और सुयश शर्मा।

गुजरात टाइटन्स- शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

अफगानिस्तान के खिलाफ मिल सकता है अकिब सहित कई युवा खिलाड़ियों को अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी,हर्ष दुबे, गुरनूर बराड़ सहित युवा खिलाड़ियों को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि चयनकर्ता भारतीय टीम के आगे के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए। इस मैच के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। ऐस में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह मिल सकती है।

रिपोर्टों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी, जिन्होंने रणजी ट्रॉफी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, विदर्भ के बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे, राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सूथार और पंजाब के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को इस टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा, देवदत्त पडिक्कल और नितीश कुमार रेड्डी को भी इस एकमात्र टेस्ट के लिए मौका मिलने की संभावना है। रेड्डी की तेज गेंदबाजी में हाल में आये सुधार को चयनकर्ताओं इस मैच में आजमाना चाहेंगे।

यह एकमात्र टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दायरे में नहीं आता है, जिसके कारण चयनकर्ता और टीम प्रबंधन अपने मुख्य खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। आगामी सत्र भारतीय टीम के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है, जिसमें डब्ल्यूटीसी 2025-27 के दूसरे हाफ और वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शामिल हैं। ऐसे में, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गजों को आराम दिए जाने की प्रबल संभावना है ताकि वे आगे के महत्वपूर्ण मैचों के लिए फिट रह सकें।

जहीर बोले, पहले टी20 टीम में जगह पक्की करने पर ध्यान दें श्रेयस

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के सितारे इस समय बुलंद हैं। उनका बल्ला जमकर चल रहा है। वहीं टीम लगातार जीत के साथ ही आईपीएल अंकतालिका में नंबर एक पर बनी हुई है। ऐसे में प्रशंसकों की ओर से ये मांग हो रही है कि श्रेयस को टी20 प्रारुप में भी भारतीय टीम की कप्तानी देनी चाहिये। हैं। वहीं पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि श्रेयस को फिलहाल कप्तानी के बारे में सोचने की जगह पर पहले भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने पर ध्यान देना चाहिए। जहीर के अनुसार, पहले टीम में जगह बनाना जरूरी है, कप्तानी अपने आप आ सकती है।

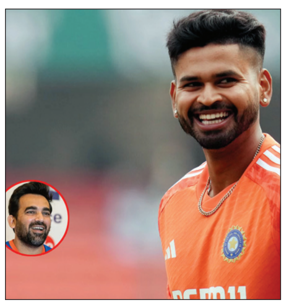

जहीर ने अय्यर को अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर निरंतर ध्यान बनाए रखने की सलाह दी। उनके अनुसार, अगर अय्यर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते रहते हैं और टीम में अपनी स्थिति को मजबूत करते हैं, तो भविष्य में कप्तानी के लिए वह एक स्वाभाविक और मजबूत दावेदार बन जाएंगे। इसका कारण है कि निरंतरता ही सफलता की कुंजी है और व्यक्तिगत प्रदर्शन का उच्च स्तर बनाए रखना किसी भी बड़े अवसर का मार्ग प्रशस्त करता है। जहीर ने इस युवा बल्लेबाज की सराहना करते हुए माना है कि उन्होंने अपनी टीम के लिए लगातार रन बनाए हैं और टीम की सफलता में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अय्यर ने पिछले सत्र में भी 600 से अधिक रन बनाये थे।

वहीं इस सत्र में अब तक के 6 मैचों में उन्होंने 200 से अधिक रन बनाये हैं1 अय्यर सिर्फ अपनी बल्लेबाजी के साथ हीकुशल कप्तानी से भी लगातार छाये हुए हैं। वह आईपीएल इतिहास के उन चुनिंदा कप्तानों में से एक हैं जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल तक पहुंचाया है। ऐसे में कई लोग उन्हें भविष्य के भारतीय कप्तान के रूप में भी देख रहे हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता का परिचायक है। हालांकि, यह राह आसान नहीं है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल के दिनों में प्रभावशाली सफलताएं हासिल की हैं, जिससे टी20 प्रारूप में कप्तानी के लिए प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी हो गई है।

वोल्वार्ट की शतकीय पारी से दक्षिण अफ्रीका ने भारत को नौ विकेट से रौंद श्रृंखला में बनाई अजेय बढ़त

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। कप्तान लौरा वोल्वार्ट (53 गेंदों में 115 रन) की आतिशी शतकीय पारी और पहले विकेट के लिए सुने लुस (42 गेंदों में नाबाद 64 रन) के साथ उनकी 92 गेंदों में 183 रन की साझेदारी के बूते दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की महिला टी20 श्रृंखला के तीसरे मुकाबले को 21 गेंद शेष रहते नौ विकेट से जीतकर श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली।

भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66) और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (64) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 73 रन की साझेदारी की बदौलत चार विकेट पर 192 रन बनाए थे, लेकिन वोल्वार्ट की ताबड़तोड़ पारी ने इस बड़े स्कोर को भी बौना साबित कर दिया।

दक्षिण अफ्रीका ने 16.3 ओवर में एक विकेट पर 193 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले वेस्ट इंडीज और इंग्लैंड ने क्रमशः 2023 और 2018 में ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ 212 और 198 रन के लक्ष्य हासिल किए थे।

इस श्रृंखला में शानदार फॉर्म में चल रही वोल्वार्ट ने पहले दो मैचों में 51 और 54 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान को चौथे ओवर में 31 रन के निजी स्कोर पर स्मृति मंधाना ने कैच टपकाकर जीवनदान दिया। वोल्वार्ट को 85 रन के स्कोर पर दूसरा जीवनदान हरमनप्रीत ने कैच छोड़कर दिया। उन्होंने इन जीवनदानों का फायदा उठाते हुए अपनी पारी में 14 चौके और पांच छक्के जड़े और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह वोल्वार्ट का तीसरा शतक है। इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17 शतकों के साथ भारत की स्मृति मंधाना और ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग की बराबरी कर ली। लुस ने भी छह चौकों और दो छक्कों की मदद से उनका अच्छा साथ दिया।

भारत के लिए श्रेयंका पाटिल ने वोल्वार्ट को आउट कर एकमात्र सफलता हासिल की लेकिन अन्य सभी गेंदबाजों ने काफी रन लुटाये। श्रृंखला में 0-2 से पीछे चल रही भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला महत्वपूर्ण था और बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। शेफाली वर्मा ने आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा, जबकि हरमनप्रीत ने 38 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 66 रन की तेज पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वोल्वार्ट ने पहली ही गेंद पर रेणुका सिंह के खिलाफ चौका जड़कर अपने तेवर दिखाए। उन्होंने दूसरे ओवर में काश्वी गौतम के खिलाफ तीन चौके लगाए। आक्रामक रवैये के साथ उन्होंने तीसरे ओवर में रेणुका के खिलाफ पारी का पहला छक्का जड़ा और फिर पांचवें ओवर में लगातार गेंदों पर एक छक्का और दो चौके जड़कर 18 रन बटोरे। उन्होंने अरुंधति रेड्डी के खिलाफ चौके के साथ 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह इस प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका की महिला खिलाड़ी का सबसे तेज अर्धशतक है।

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 72 रन बना लिए। अब तक एक छोर से संभलकर खेल रहीं लुस ने श्रेयंका पाटिल के खिलाफ छक्का और शेफाली वर्मा के खिलाफ चौका लगाकर रनगति को बरकरार रखा। टीम ने नौवें ओवर में ही 100 रन पूरे कर लिए। वोल्वार्ट ने 12वें ओवर में दीप्ति के खिलाफ अपनी पारी का तीसरा छक्का जड़ा, जबकि लुस ने श्रेयंका के खिलाफ दो चौकों के साथ दबदबा बनाए रखा। वोल्वार्ट ने 14वें ओवर में दीप्ति के खिलाफ शुरुआती दो गेंदों पर छक्का और चौका लगाने के बाद पांचवीं गेंद पर चौके के साथ 47 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इसी ओवर में लुस ने एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। वोल्वार्ट शतक पूरा करने के बाद श्रेयंका की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में आउट हुईं, लेकिन तब तक टीम की जीत लगभग तय हो चुकी थी। इससे पहले शेफाली ने स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 68 रन जोड़कर भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई।

पूरन का विकेट लेते ही जडेजा ने अनोखे अंदाज में मनाया जश्न

लखनऊ । रविंद्र जडेजा के ऑलराउंड प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने यहां हुए मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स को 40 रनों से हरा दिया । इस मैच में जडेजा ने 29 गेंदों पर 43 रन बनाने के बाद गेंदबाी के दौरान निकोलस पूरन का महत्वपूर्ण विकेट लेकर अपनी टीम की जीत तय कर दी । पूरन को आउट करने के बाद जडेजा का जश्न मनाने का अंदाज सोशल मीडिया पर छाया हुआ है । पूरन लखनऊ के सबसे अच्छे बल्लेबाज में से एक हैं । ऐसे में उनके आउट होते ही सुपरजायंट्स की बल्लेबाजी ढ़ह गयी । पूरन को आउट करने के बाद जडेजा ने जेब में हाथ डालकर ये दिखाने का प्रयास किस कि मैच में अब उनको ही जीत मिलेगी । इसका कारण है कि पूरन क्रीज पर जमने लगे थे पर उनके आउट होते ही राजस्थान की जीत पक्की हो गई । पूरन 25 गेंद में 22 रन बनाकर पेवेलियन लौटे । इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स का शीर्ष क्रम असफल रहा । इसी कारण टीम 20 ओवर के खेल में 159 रन ही बना पाई । इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ की टीम 120 रन ही बना पायी । सिर्फ 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही । आयुष बडोनी, कप्तान ऋषभ पंत और एडेन मार्करम शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये । केवल मिचेल मार्श ने ही 55 रन बनाये ।

सीनियर टीम से विश्वकप खेलना है वैभव का सपना

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का लक्ष्य सीनियर टीम से विश्कप खेलना है । वैभव ने पिछले माह अपना 15वां जन्मदिन मनाया और इसी के साथ वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए योग्य हो गए हैं । उन्हें आईपीएल के बाद जून में आयरलैंड के खिलाफ आईपीएल के बाद खेली जाने वाली सीरीज में चयनकर्ता अवसर दे सकते हैं । वैभव का कहना है कि उन्हें आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी पसंद है । उनका कहना है कि वह हावी होकर खेलना चाहते हैं जिससे कि जब तक वो मैदान पर रहें विरोधी टीम पर दबाव बना रहे । उनका लक्ष्य प्रभावशाली प्रदर्शन कर मैच जीतना है । इसलिए जब तक वह क्रीज पर रहेंगे, तब तक वह दबदबा बनाए रखेंगे और उन्हें भरोसा है कि इस प्रकार से मैच विपक्षी टीम से छीन लेंगे । उन्होंने कहा कि अभी मुझे सीनियर टीम से विश्वप कप खेलना है । हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह सीनियरों के लिए खेले और देश के जीत दिलाए । मेरा भी यही लक्ष्य है ।' अब तक वैभव ने आईपीएल 2026 में छह पारियों में 246 रन बनाए हैं. जिसमें दो अर्धशतक और 78 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है । उनका औसत 41 है और स्ट्राइक रेट 236.54 है । कुल मिलाकर आईपीएल में उन्होंने 13 मैचों में 498 रन बनाए हैं, औसत 38.30 और स्ट्राइक रेट 220.35 है । इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक के साथ 101 रन की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ पारी भी शामिल है !

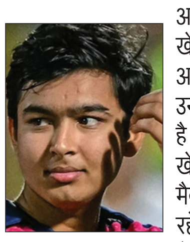

विश्व कप फुटबॉल में ईरान की जगह इटली को शामिल करें : जम्पोली

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विशेष दूत पाओलो जम्पोली ने विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) से कहा है कि वह जून में होने वाले विश्व कप में ईरान की जगह इटली को शामिल करें। माना जा रहा है कि हाल में जिस प्रकार से इटली के साथ अमेरिका के संबंध खराब हुए हैं। उसको देखते हुए ही जम्पोली ने इस प्रकार का बयान दिया है जिससे की इटली सरकार की नाराजगी दूर हो सके।

जम्पोली ने कहा कि उन्होंने ट्रंप और फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो दोनों को सुझाव दिया है कि विश्व कप में ईरान की जगह पर इटली को अवसर दिया जाना चाहिये क्योंकि वह कई बार विजेता रही है। जम्पोली ने कहा, मैं इटली का रहने वाला हूं, और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में इटली की राष्ट्रीय टीम को देखते हुए देखना चाहता हूं। इटली ने चार विश्व कप खिताब जीते हैं और ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में शामिल के लिए ईरान से कहीं बेहतर और योग्य है, इसके साथ ही उसका रिकार्ड भी काफी अच्छा है।

फीफा हालांकि इटली को शामिल नहीं कर सकता है, क्योंकि वह विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी है। इटली प्ले-ऑफ में बोस्निया और हर्जेगोविना से पेनल्टी शूटआउट में हारकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही थी। यह किसी पूर्व विश्व चैंपियन के लिए एक अजीब स्थिति है।

वहीं ईरान ने लगातार चौथी बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है पर जिस प्रकार से उसका अमेरिका और इजरालय से संघर्ष चल रहा है। उसको देखते हुए उसके संयुक्त रुप से अमेरिका और मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्वकप में खेलने की उम्मीद नहीं है। ईरान ने और युद्ध शुरू होने के बाद से ही फीफा से अपनी टीम के तीन ग्रुप मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में स्थानांतरित करने का अनुरोध भी किया था जिससे ठुकरा दिया गया है। इससे पहले, जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ट्रंप से मिले थे, तो उन्होंने कहा था कि ईरान को 2026 विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए रोका नहीं जाएगा। दूसरी ओर ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली ने कहा थ किया कि अमेरिका और इजरायल द्वारा देश पर हवाई हमलों के बाद ईरान 2026 विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकता।इसके बाद ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि ईरान टीम का विश्व कप में स्वागत है पर उनकी सुरक्षा की गारंटी नीं दी जा सकती। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा।

अभिषेक में हैं खास प्रतिभा : पुजारा

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है । पुजारा का मानना है कि अभिषेक में एक अलग तरह की प्रतिभा है जो उन्हें खास बनाती है । साथ ही कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने अब तक के मैचों में बल्लेबाजी की है । उससे ये साबित होता है । दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी अभिषेक ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की उससे सभी हैरान हैं । पुजारा ने कहा कि अभिषेक अपने खेल से टीम को जीत दिलाते हैं । पुजारा ने अभिषेक के दूसरे आईपीएल शतक और इस सत्र के उनके पहले शतक की जमकर तारीफ की । पुजारा ने कहा कि यह बल्लेबाज़ किस आसानी और सहजता से बड़े स्कोर खड़ा करता है । उन्होंने कहा, अभिषेक ने शानदार पारी खेली और अपना दूसरा आईपीएल शतक और इस सत्र का पहला शतक बनाया । वह शतक बनाना आसान बना देते हैं । पुजारा ने कहा कि अभिषेक का योगदान टीम के बेहद महत्वपूर्ण रहा है । उन्होंने कहा कि उनके प्रदर्शन अक्सर टीम के लिए जीत की राह बनाते हैं, क्योंकि वह बल्लेबाजी क्रम में सबसे ऊपर रहकर खेल पर गहरा प्रभाव डालते हैं । पुजारा ने अभिषेक की स्वाभाविक क्षमता और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि जब वह किसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी पूरी लय में होते हैं, तो उनकी क्लास साफ दिखाई देती है । उन्होंने कहा, जब वह इस तरह का प्रदर्शन करते हैं, तो उनकी क्लास हर किसी को साफ दिखाई देती है। बहुत कम बल्लेबाजों में अभिषेक जैसी प्रतिभा और क्लास होती है ।

'जब मैं बैटिंग कर रहा था, तो यह इतना आसान नहीं था', लखनऊ के खिलाफ मैच जिताऊ पारी पर बोले जडेजा

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)(एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा जबकि राजस्थान रॉयल्स 40 रनों की जीत के साथ फिर से जीत की राह पर लौट आई। राजस्थान के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अपनी बैटिंग के तरीके, लखनऊ की पिच पर धीमी बॉलिंग करने और अपने पूरे ओवर क्यों नहीं फेंके इस सब पर बात की।

रवींद्र जडेजा ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया जिसमें 29 गेंदों में तेजी से 43 रन बनाए और एक अहम विकेट लिया। वहीं जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर की तेज गेंदबाजी की जोड़ी की अगुवाई में अनुशासित बॉलिंग प्रदर्शन ने राजस्थान रॉयल्स को बुधवार को रूस्त्र के खिलाफ 40 रनों की जीत के साथ अपनी लगातार दो हार का सिलसिला तोड़ने में मदद की। अपनी बैटिंग के बारे में बात करते हुए जडेजा ने कहा, 'जब मैं बैटिंग कर रहा था, तो यह इतना आसान नहीं था। LSG के पास बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं, जो तेज गति और सही जगहों पर बॉलिंग कर रहे थे। यह लाल मिट्टी वाली पिच थी, इसलिए इसमें उछाल था, और गेंद में सीम भी मिल रही थी।'

जडेजा ने कहा, 'हमारे विकेट लगातार गिर रहे थे और हम कोई साझेदारी नहीं बना पा रहे थे। इसलिए डोनोवन और मैंने पारी को आखिर तक ले जाने के बारे में बात की। लेकिन टी20 क्रिकेट में एक अच्छा स्कोर बनाने के लिए आपको बीच-बीच में जोखिम उठाते रहना पड़ता है। बदकिस्मती से, वह गलत समय पर आउट हो गए। मैं बस ओवरों का हिसाब लगा रहा था और मुझे पता था कि आखिरी ओवर शायद मयंक यादव फेंकेंगे।'

उन्होंने कहा, 'मैं बस उनकी गति का फायदा उठाना चाहता था, क्योंकि लेग-साइड की बाउंड्री छोटी थी और मिड-ऑफ और मिड-ऑन दोनों ही ऊपर थे। उनकी तीन गेंदें शॉर्ट थीं, और उन्होंने एक फुल गेंद फेंककर मुझे चकमा देने की कोशिश की, लेकिन किस्मत से, मैं उस पर भी चौका लगाने में कामयाब रहा। हमें वे 20 रन मिल गए, और एक टीम के तौर पर, जब आपके गेंदबाज़ों के पास बचाव के लिए कुछ अतिरिक्त रन होते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ जाता है।'

पहले बैटिंग करने के लिए कहे जाने पर क्र्र ने जडेजा की 29 गेंदों में खेली गई 43 रनों की जुझारू पारी और शुभम दुबे की 19 रनों की तेज पारी की बदौलत 159/6 का स्कोर बनाया। एक छोटे स्कोर का बचाव करते हुए RR ने मेजबान टीम को 18 ओवर के अंदर 119 रनों पर ऑल आउट कर दिया और मैच 40 रनों से जीत लिया। जडेजा ने निकोलस पूरन का अहम विकेट भी लिया।

लखनऊ की उस पिच पर धीमी गेंदबाजी करने के बारे में इस ऑलराउंडर ने कहा, 'जब मैं दिग्विजय राठी के खिलाफ बैटिंग कर रहा था, तो उनकी कुछ गेंदें पिच पर रुककर आ रही थीं। इसलिए, मैंने सोचा कि अगर मैं इस पिच पर धीमी गेंदबाजी करूं, तो मुझे भी कुछ मदद मिल सकती है। मैं मिच मार्श या पूरन, किसी को भी तेज गेंदबाजी नहीं देना चाहता था, क्योंकि वे बड़े हिटर हैं और बड़े शॉट लगाने के लिए जाने जाते हैं। इसलिए, मैंने धीमी गेंदबाजी की, लेकिन मैं अपनी गति में बदलाव भी करना चाहता था, ताकि मैं आसानी से पढ़ा न जा सकूं। अगर वे एक या दो छक्के लगा देते, तो पहले से बना सारा दबाव खत्म हो जाता, जिससे जीत के लिए जरूरी रनों का अंतर कम हो जाता।'

पिच सीम गेंदबाजों की मदद कर रही थी, क्योंकि नांद्रे बर्गर (27/2), जोफ्रा आर्चर (20/3) और बृजेश शर्मा (18/2) ने कसी हुई गेंदबाजी की और LSG की बैटिंग लाइनअप को तहस-नहस कर दिया। जडेजा ने इस मैच में अपने चार ओवरों का कोटा पूरा किया जबकि पिछले कुछ मैचों में वे ऐसा नहीं कर पाए थे।

पिछले मैच में KKR के खिलाफ शानदार गेंदबाजी (तीन ओवरों में 8/2) करने के बावजूद वे उस मैच में अपने चार ओवर पूरे नहीं कर पाए थे। पिछले कुछ मैचों में अपने ओवरों का कोटा पूरा न कर पाने के बारे में उन्होंने कहा, 'जब मैं मैदान पर आता हूं, तो मैं अपना निजी अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ आता हूं।'

जडेजा ने कहा, 'मैं बस इस बारे में सोचता हूं कि टीम मुझसे जिस भी तरह का योगदान चाहती है, मैं उसे पूरा करूं। जब बैटिंग की बात आती है, तो मैं इस मैच में पारी को आखिर तक ले जाना चाहता था, क्योंकि अगर मैं 17वें या 18वें ओवर में कोई गलत शॉट खेलकर आउट हो जाता, तो हम 159 रन तक नहीं पहुंच पाते और शायद 20-25 रन पीछे रह जाते। ऐसे में LSG के लिए छोटे टारगेट का पीछा करना आसान हो सकता था। टी20 क्रिकेट में हर पिच, हर स्थिति और हर मैच का माहौल अलग होता है, इसलिए आपको उसी के हिसाब से खुद को ढालना पड़ता है। अगर किसी दिन टीम को लगता है कि किसी खास बैटर के खिलाफ मेरा मैच-अप नेगेटिव है, तो मैं उस बात को समझता हूं। हो सकता है कि यह काम कर जाए, या हो सकता है कि न करे; यह तो खेल का ही एक हिस्सा है।'

राजस्थान अभी पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है जिसके 7 मैचों में 10 पॉइंट्स हैं। अपने अगले मैच में शनिवार को उनका मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा।

आर्चर रॉयल्य की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, चहल का रिकार्ड तोड़ा

लखनऊ (ईएमएस) । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज बन गये हैं । आर्चर ने इसी के साथ ही युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा। चहल अभी तक रॉयल्स के सबसे अधिक 66 विकेट लिए थे पर अब ऑचर के नाम 68 विकेट हो गये हैं । आर्चर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ यहां के इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दूसरा विकेट विकेट लेते ही ये उपलब्धि अपने नाम की है । आईपीएल में कुल मिलाकर आर्चर के नाम 70 विकेट हैं । उन्होंने कुछ मैच मुंबई इंडियंस के लिए भी खेले हैं । इससे पहले उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए मैच खेले थे । रॉयल्स के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाद सिद्धार्थ त्रिवेदी काफी कम चर्चित हैं । साल 2008 से साल 2013 के बीच उन्होंने खेला था । वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 61 विकेट निकाले हैं । वे इस टीम के लिए सबसे ज्यादा आईपीएल विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज हैं । वहीं दिवंगत शेन वार्न ने रॉयल्स की ओर से 57 विकेट लिए हैं और वह पांचवे नंबर पर हैं ।

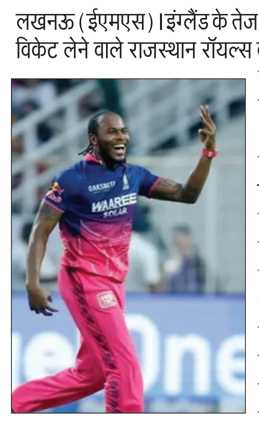

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

टैरिफ रिफंड से भारत को मिल सकते हैं 12 अरब डॉलर, पर सीधे नहीं

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मनमाने तरीके से वसूले गए टैरिफ की रिफंड प्रक्रिया शुरू कर दी है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा, रिफंड प्रक्रिया के तहत 166 अरब डॉलर से ज्यादा राशि लौटाई जाएगी, जिसमें से करीब 12 अरब डॉलर (1.12 लाख करोड़ रुपये) भारतीय वस्तुओं से संबंधित हैं। यानी रिफंड प्रक्रिया में भारत को 12 अरब डॉलर मिलने की संभावना है, पर सीधे तरीके से नहीं। जीटीआरआई ने कहा, रिफंड की राशि सिर्फ अमेरिकी आयातकों के खाते में जाती है और निर्यातकों का इस पर कोई कानूनी अधिकार नहीं होता। ऐसे में भारतीय निर्यातकों के पास रिफंड का दावा करने का कोई सीधा कानूनी रास्ता नहीं होगा। ऐसे में उन्हें अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क करना चाहिए। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, कोई भी शुल्क वापसी व्यावसायिक बातचीत पर निर्भर करेगी। इसके लिए भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए। विशेषकर, उन मामलों में जहां पहले की कीमतों में टैरिफ लागत शामिल थी। भारतीय निर्यातक अपने अमेरिकी खरीदारों के साथ रिफंड को आपस में बांटने का सौदा कर सकते हैं, जिससे आयातक का रिफंड भारतीय कंपनी के लिए असली नकदी या कीमतों में छूट में बदल जाता है। कीमतों पर फिर से बातचीत : जहां पिछले साल कॉन्ट्रैक्ट की कीमतों में टैरिफ को शामिल किया गया था, अब जब लागत कम हो गई है, तो भारतीय निर्यातक उन समझौतों पर फिर से बातचीत करने का प्रयास कर सकते हैं। भविष्य के ऑर्डर और प्रतिस्पर्धी बढ़त : भारतीय कंपनियां इस अवसर का इस्तेमाल ज्यादा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नए ऑर्डर के लिए बातचीत करने में कर सकती हैं।

'होर्मुज में अस्थिरता का भारत पर सीधा असर', जर्मनी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताई चिंता

बर्लिन, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की रुकावट भारत के लिए दूर की घटना नहीं है, बल्कि यह सीधा असर डालने वाली वास्तविक स्थिति है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में 50 दिनों से ज्यादा समय से संघर्ष जारी है और इसका वैश्विक स्तर पर प्रभाव भी पड़ रहा है। राजनाथ सिंह ने जर्मन संसद की रक्षा और सुरक्षा समिति को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया नए सुरक्षा खतरों का सामना कर रही है और तकनीक में बदलाव से स्थिति और जटिल हो गई है। उन्होंने कहा कि बदलते हालात के अनुरूप होने के साथ नया दृष्टिकोण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। रक्षा मंत्री ने भारत और जर्मनी के रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रक्षा उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए ऊर्जा का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया पर निर्भर है। इसलिए होर्मुज जलडमरूमध्य में कोई भी बाधा सीधे असर डालती है। उन्होंने बताया कि भारत ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय रणनीति अपनाई है और समन्वित दृष्टिकोण पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर ने रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया है और यूरोपीय संघ के स्तर पर भी भारत के साथ सहयोग बढ़ रहा है। सिंह ने कहा कि आत्मनिर्मभर भारत केवल खरीद कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सह-निर्माण, सह-विकास और सह-नवाचार का अवसर है।

नासा रोवर की तस्वीरों में मंगल पर उड़ते दिखे कीड़े, फिर छिड़ी जीवन पर बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। नासा के रोवरों द्वारा भेजी गई कुछ तस्वीरों में कथित रूप से पंखों वाले कीड़े, छिपकली जैसे जीव और शिकारी जैसे जीवन रूप दिखाई देने के दावों ने वैज्ञानिको का ध्यान खींचा है। हालांकि यह विचार बेहद रोमांचक है कि मंगल की सतह पर कीड़े उड़ रहे हों या धूल के बीच कोई जीव छिपा हो, लेकिन वैज्ञानिक समुदाय का बड़ा हिस्सा इन दावों को लेकर काफी सतर्क और संशयपूर्ण है। विशेषज्ञों का कहना है कि मंगल सौरमंडल के सबसे अधिक अध्ययन किए गए ग्रहों में से एक है और अब तक वहां किसी जटिल जीव के अस्तित्व का ठोस प्रमाण नहीं मिला है। हाल के दावे मुख्य रूप से नासा के मार्स रोवर, विशेषकर क्यूरियोसिटी रोवर द्वारा ली गई तस्वीरों की व्याख्या से जुड़े हैं। कीट विज्ञानी विलियम रोमोसर ने सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रोवर छवियों का अध्ययन करते हुए दावा किया कि इनमें कीड़ों जैसे और सरीसृपों जैसे आकार दिखाई देते हैं। उन्होंने अपनी प्रस्तुति एविडेंस ऑफ एक्सटेंट इंसेक्ट-लाइक ऑर्गेनिज्म्स ऑन मार्स और उसके सप्लीमेंटल मैटेरियल में तर्क दिया कि कुछ आकृतियां पंख, पंखों की मोड़ संरचना और व्यवस्थित पैरों जैसी बनावट दिखाती हैं। रोमोसर का कहना था कि मंगल पर जीवन था और अब भी है।

जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार, अपनी पहली यात्रा पर बोले राजनाथ सिंह

जर्मनी, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने आधिकारिक दौरे पर जर्मनी पहुंचे, जहां उन्होंने बर्लिन में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत-जर्मनी संबंधों, भारतीय प्रवासी समुदाय की भूमिका, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक जुड़ाव पर विस्तार से बात की। रक्षा मंत्री ने कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर कहा कि बर्लिन में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत कर उन्हें बेहद खुशी हुई। उन्होंने भारतीय प्रवासी समुदाय को भारत और जर्मनी के बीच लिविंग ब्रिज बताया और कहा कि हाल के वर्षों में यह समुदाय एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान उन्होंने भारत की तेज आर्थिक प्रगति और तकनीकी विकास को रेखांकित किया, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्टअप्स, अंतरिक्ष और डिजिटल इनोवेशन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

भारत में 2000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय : अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले सात दशकों में भारत और जर्मनी के संबंध हर क्षेत्र में मजबूत हुए हैं। आज जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत में 2,000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय हैं और जर्मनी की अग्रणी कंपनियां भारत के औद्योगिक विकास व मेक इन इंडिया अभियान को गति दे रही हैं। दूसरी ओर, कई भारतीय कंपनियां भी जर्मनी में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा रही हैं।

जर्मनी में भारतीय की संख्या 3.7 लाख है : उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी के राजनीतिक व कूटनीतिक संबंधों के द्वार भले ही सरकारों के हाथ में हों, लेकिन दोनों देशों के रिश्तों की असली मजबूती लोगों के आपसी जुड़ाव से तय होती है। उन्होंने भारतीय समुदाय से कहा कि वह इस पुल को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका बेहद अहम है। राजनाथ सिंह ने बताया कि जर्मनी में भारतीयों की संख्या 3.7 लाख हो गई है और यह लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय की उपलब्धियों और योगदान ने जर्मनी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रक्षा मंत्री की पहली आधिकारिक यात्रा : रक्षा मंत्री ने कहा कि यह उनकी जर्मनी की पहली आधिकारिक यात्रा है और वह वहां के रक्षा मंत्री के निमंत्रण पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में एक उपलब्धि है कि समय के साथ भारत और जर्मनी के रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 भारत और जर्मनी के लिए विशेष है, क्योंकि इस वर्ष दोनों देशों के औपचारिक राजनयिक संबंधों को 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पूरी तरह लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं।

रवीन्द्रनाथ टैगोर को दी श्रद्धांजली : उन्होंने आगे कहा कि भारत और जर्मनी केवल राजनीतिक और रणनीतिक संबंध ही साझा नहीं करते, बल्कि कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच गहरा उत्साह और जुड़ाव है। राजनाथ सिंह ने बताया कि उन्हें हम्बोल्ट विश्वविद्यालय जाने का अवसर मिला, जहां उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

कार्यक्रम के दौरान दिखे हल्के-फुल्के पल : कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि यह उनकी जर्मनी की पहली यात्रा है, जबकि वह अमेरिका सात से आठ बार जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद वह दो बार अमेरिका जा चुके हैं। इस पर श्रोताओं के हंसने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आया कि लोग क्यों हंस रहे हैं, जबकि वह तो सभी से मिलकर प्रसन्न हैं। राजनाथ सिंह ने जर्मनी की वैश्विक प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता की सराहना करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में जर्मनी का एक अलग सम्मान है। उन्होंने कहा कि जर्मनी की इस सफलता में वहां के मूल निवासियों का बड़ा योगदान है, लेकिन भारतीय प्रवासी समुदाय ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इस सच्चाई से कोई इनकार नहीं कर सकता।

अमेरिकी नौसेना के सबसे आधुनिक विमानवाहक पोत पर संकट! भविष्य की योजना पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना ने अपने सबसे हाई-टेक और महंगे युद्धपोत फोर्ड-क्लास एयरक्राफ्ट कैरियर की डिजाइन और लागत की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी है। इस कदम ने इन आधुनिक विमानवाहक पोतों के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नौसेना सचिव जॉन फेलन ने साफ किया कि यह समीक्षा व्यावहारिक और जरूरी है, जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इन जहाजों पर खर्च और तकनीक भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है या नहीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस समीक्षा के बाद फोर्ड-क्लास के भविष्य के जहाज रद्द हो सकते हैं, तो उन्होंने सीधे इंकार नहीं किया। उन्होंने कहा 'अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन विमानवाहक पोत हमारी रणनीति का अहम हिस्सा बने रहेंगे।' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से इन जहाजों की तकनीक, खासकर मैग्नेटिक कैटापल्ट सिस्टम की आलोचना करते रहे हैं। उनका दावा था कि यह तकनीक भरोसेमंद नहीं है। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड जून 2025 से 300 दिनों से अधिक समय तक तैनात रहा और कई अहम सैन्य अभियानों में शामिल हुआ। हालांकि, इतनी लंबी तैनाती के दौरान तकनीकी और संचालन से जुड़े कुछ मुद्दे भी सामने आए, जिससे इसकी क्षमता और लागत को लेकर बहस तेज हो गई है।

अमेरिकी सेना में बदलाव: अब सैनिकों के लिए फ्लू वैक्सीन अनिवार्य नहीं, धार्मिक स्वतंत्रता का दिया गया हवाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग ने अपनी स्वास्थ्य नीति में बड़ा बदलाव करते हुए सैनिकों के लिए फ्लू वैक्सीन को अब अनिवार्य नहीं रखा है। इस फैसले के बाद अब अमेरिकी सैनिक अपनी इच्छा और धार्मिक आस्था के आधार पर वैक्सीन लेने या न लेने का निर्णय ले सकेंगे। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैनिक फ्लू वैक्सीन लेने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन उन्हें इसके लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। उनका शरीर, आस्था और दृढ़ विश्वास पर समझौता नहीं किया जा सकता। हालांकि, सैन्य सेवाओं को वैक्सीन की अनिवार्यता जारी रखने का अनुरोध करने की अनुमति है। इसके लिए उन्हें 15 दिन का समय दिया गया है। अमेरिकी सेना में टीकाकरण कार्यक्रम अमेरिकी क्रांति के समय से चले आ रहे हैं। लेकिन कोरोना वायरस महामारी के दौरान यह एक विवादास्पद राजनीतिक मुद्दा बन गया था। साल 2021 में कोविड-19 वैक्सीन अनिवार्य की गई थी। इसे मानने से इन्कार करने पर 8,400 से अधिक सैनिकों को सेना से बाहर कर दिया गया। हजारों अन्य ने धार्मिक और चिकित्सा छूट मांगी थी। कांग्रेस ने इस आदेश को रद्द करने पर सहमति व्यक्त की। पेंटागन ने जनवरी 2023 में इस आदेश को वापस ले लिया। तब तक

नौसेना, वायु सेना और मरीन कॉर्प्स के करीब 99 फीसदी सैनिकों ने वैक्सीन लगवा ली थी। ट्रंप प्रशासन ने कोविड-19 वैक्सीन से इन्कार करने वाले सैनिकों को वापस सेवा में लाने की नीति बनाई। इसमें उन्हें पिछली तनख्वाह के साथ वापस लाने का प्रावधान था। हालांकि, बहुत कम सैनिकों ने इस नई नीति का लाभ उठाया है। पेंटागन ने मार्च में बताया कि 153 सैनिकों को बहाल किया गया है। हेगसेथ की टीम ने पिछले कई महीनों से इन सैनिकों को व्यक्तिगत रूप से उजागर किया है। फ्लू वैक्सीन आदेश को ऐसे समय में हटाया गया है जब फ्लू का मौसम गंभीर रहा है। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ छह महीने और उससे अधिक उम्र के सभी लोगों को वार्षिक इन्फ्लूएंजा वैक्सीन की सलाह देते हैं। ट्रंप प्रशासन बच्चों के लिए भी कुछ वैक्सीन की सिफारिशों को कम कर रहा है। कांग्रेस रिसर्च सर्विस की 2021 की रिपोर्ट में आठ अनिवार्य वैक्सीन सूचीबद्ध थीं। इनमें फ्लू, पोलियो, टिटनेस, खसरा और हेपेटाइटिस ए व बी शामिल थे।

जहाज टोस्का की रिहाई के लिए यूएन पहुंचा ईरान, अमेरिका के खिलाफ की शिकायत; बिना शर्त छोड़ने की रखी मांग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से अपील की है कि वह अमेरिका पर दबाव डाले ताकि ईरान के एक व्यावसायिक जहाज टोस्का और उसके चालक दल को तुरंत रिहा किया जा सके। ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने इस मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने अमेरिका के इस कदम पर गंभीर चिंता जताई है। पूरे मामले को ऐसे समझिए कि ईरान का कहना है कि उसका एक व्यापारिक जहाज टोस्का को अमेरिकी बलों ने ओमान सागर में, ईरान के तट के पास पकड़ लिया। यह घटना एक दिन पहले हुई बताई जा रही है। राजदूत इरावानी के मुताबिक, यह कार्रवाई जबरदस्ती और धमकी के साथ की गई और जहाज के कर्मचारियों और उनके परिवारों की जान को खतरे में डाला गया। उन्होंने इस घटना को गैरकानूनी और शत्रुतापूर्ण बताया। अब इस मामले में ईरान का आरोप है कि अमेरिका की यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। ईरान ने दावा किया है कि यह एक तरह से समुद्री डकैती जैसा व्यवहार है। इससे दुनिया के अहम समुद्री रास्तों की सुरक्षा को खतरा पैदा होता है।

इरावानी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र और दुनिया की शांति को बिगाड़ सकती हैं। इसके साथ ही ईरान ने यह भी दावा किया कि यह घटना उस संघर्षविराम का उल्लंघन है, जिसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 7 अप्रैल को की थी। ऐसे में अब ईरान ने संयुक्त राष्ट्र से मांग की है कि अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इतना ही नहीं मामले में ईरान का यह भी कहना है कि जहाज, उसके कर्मचारियों और उनके परिवारों को तुरंत और बिना शर्त रिहा किया जाए।

यूएस दौरे पर भारतीय सेना प्रमुख: द्विपक्षीय सैन्य संबंध मजबूत करने की कवायद, मुक्त और समृद्ध हिंद-प्रशांत पर जोर

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने आज जनरल उपेंद्र द्विवेदी का इंडिया हाउस में स्वागत किया। यह मुलाकात जनरल द्विवेदी के वॉशिंगटन डीसी में प्रस्तावित आधिकारिक कार्यक्रमों से पहले हुई। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि भारतीय नौसेना प्रमुख और वायुसेना प्रमुख की हालिया यात्राओं के बाद सेना प्रमुख का यह दौरा भारत और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ रहे उच्चस्तरीय सैन्य आदान-प्रदान को आगे बढ़ाता है। दूतावास ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूत करेगी, जो व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का प्रमुख स्तंभ है, और मुक्त, खुले व समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी।

इससे पहले 21 अप्रैल को जनरल द्विवेदी ने होनोलूलू में जनरल रोनाल्ड पी. क्लार्क और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की थी। बैठक में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को मजबूत करने तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

द्विवेदी को मिला गार्ड ऑफ ऑनर का सम्मान : फोर्ट शाफ्टर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर पहुंचने पर जनरल द्विवेदी को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने ओहू द्वीप का हवाई दौरा किया, जहां उन्हें प्रशिक्षण व्यवस्था, सैन्य संरचना और मल्टी-डोमेन ऑपरेशनल तैयारियों की जानकारी दी गई। भारतीय सेना के अतिरिक्त जनसंपर्क महानिदेशालय ने कहा कि सेना प्रमुख की यह यात्रा दोनों देशों के बीच सामरिक विश्वास और रक्षा सहयोग को नई दिशा देने वाली है।

भारत और अमेरिकी वायुसेना प्रमुखों की हुई थी वार्ता : इस महीने की शुरुआत में भारत और अमेरिका ने वायुसेना प्रमुखों के बीच हुई उच्चस्तरीय वार्ता में भी रणनीतिक रक्षा साझेदारी दोहराई थी। 8 अप्रैल को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अमेरिका का आधिकारिक दौरा किया था। इस दौरान उनका जॉइंट बेस एनाकोस्टिया-बोलिंग में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया। बाद में एयर चीफ मार्शल सिंह ने पेंटागन से ट्रॉय मिंक और जनरल केनेथ विल्सबैक में मुलाकात की। वार्ता के दौरान इंटरऑपरेबिलिटी, संयुक्त प्रशिक्षण, क्षेत्रीय प्रतिरोधक क्षमता और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग पर जोर दिया गया।

अमेरिकी वायुसेना नेतृत्व ने कहा कि भारत के साथ रक्षा साझेदारी वॉशिंगटन की रणनीतिक प्राथमिकताओं में केंद्रीय स्थान रखती है। जनरल विल्सबाख ने बहुपक्षीय सैन्य अभ्यासों में भारत की सक्रिय भूमिका और नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग का विस्तार क्षेत्रीय सुरक्षा और संतुलन मजबूत करने में अहम होगा।

ईरानी सेना की ताकत अब भी मजबूत', पेंटागन रिपोर्ट में खुलासा; ट्रंप-हेगसेथ के दावों पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की खुफिया शाखा की एक नई रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की सैन्य क्षमता अभी भी मुख्य रूप से मजबूत बनी हुई है, जिससे अमेरिकी नेतृत्व के हालिया बयानों पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले दावा किया था कि हालिया संघर्षों के बाद ईरान की सेना को भारी नुकसान हुआ है और उसकी ताकत काफी कमजोर हो चुकी है। लेकिन पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट इन दावों से पूरी तरह असहमत नजर आ रही है। ट्रंप ने बढ़ाया युद्ध विराम,

पाकिस्तान की अपील का दिया हवाला

इस आंतरिक खुफिया आकलन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध विराम को और बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने इस निर्णय का कारण पाकिस्तानी नेतृत्व द्वारा एक नियोजित सैन्य हमले में देरी के लिए की गई सीधी अपील को बताया। यह घोषणा पिछले समय-सीमा समाप्त होने से कुछ घंटे पहले सार्वजनिक की गई।

हालांकि, इस घोषणा का तेहरान से तत्काल विरोध हुआ। ईरान के संसद अध्यक्ष के एक सलाहकार, महदी मोहाम्मदी ने अमेरिकी कदम को खारिज करते हुए कहा कि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने तर्क दिया कि यह विस्तार ईरानी सरकार के लिए कुछ भी मायने नहीं रखता और अमेरिकी सेना के खिलाफ सैन्य वृद्धि का आह्वान किया। एक्स पर एक पोस्ट में, मोहाम्मदी ने कहा कि ट्रंप द्वारा युद्ध विराम का विस्तार कुछ भी मायने नहीं रखता क्योंकि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि घेराबंदी जारी रखना बमबारी से अलग नहीं है और इसका जवाब सैन्य रूप से दिया जाना चाहिए। बीते दिनों दोनों देशों के बीच इस्लामाबाद में हुई 21 घंटे की लंबी बातचीत के बाद एक दीर्घकालिक समझौते को सुरक्षित करने का पिछला प्रयास बिना किसी सफलता के समाप्त हो गया था, जिससे तनाव और बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान की सैन्य शक्ति अभी भी पश्चिम एशिया में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली स्थिति बनाए हुए है। उसके सैन्य ढांचे को पूरी तरह कमजोर नहीं किया जा सका है।

युद्ध विराम विस्तार पर ट्रंप के दावे पर ईरान का जवाब क्या, पाक में शांति वार्ता कहां तक पहुंची?

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक बार फिर विस्फोटक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां कूटनीति की धागे लगातार उलझते जा रहे हैं। युद्ध विराम को लेकर बनी नाजुक सहमति अब डगमगाने लगी है और दोनों देशों के बीच भरोसे की खाई और गहरी होती दिख रही है। इसी बीच बड़ा राजनीतिक उलटफेर तब सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम को बढ़ाने के एलान के कुछ ही समय बाद ईरान ने अमेरिका की शर्तों को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार, तेहरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी दबाव, शर्त या धमकी के आधार पर बातचीत नहीं करेगा। हालांकि इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि युद्ध विराम को आगे बढ़ाया जा रहा है। पाकिस्तान में शांति वार्ता की अटकलों के बीच ईरान का यह दो टूक अंदाज न सिर्फ कूटनीतिक टकराव को तेज करता है, बल्कि पहले से तनावग्रस्त पश्चिम एशिया की स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना देता है।

ईरान की दो टूक और ट्रंप का दावा समझिए : बता दें कि ईरान की तरफ से ट्रंप के बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन शुरुआती संकेतों में ईरान ने अमेरिकी दावों पर शक जताया है और कहा है कि उसने संघर्षविराम बढ़ाने की कोई मांग नहीं की। आईआरआईबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने अमेरिका की बातचीत की शर्तों को स्वीकार नहीं

किया है। ट्रंप ने एकतरफा तरीके से युद्ध विराम को बढ़ाया है। दूसरी ओर मामले में युद्ध विराम को बढ़ाने का एलान करते हुए इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि ईरान की सरकार अंदर से बंटी हुई है। इसलिए उसे एक साथ मिलकर प्रस्ताव तैयार करने का समय दिया जाना चाहिए। ट्रंप के अनुसार, यह निर्णय पाकिस्तान के सेना प्रमुख सैयद आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अनुरोध के बाद लिया गया।

ट्रंप ने अपने एलान में क्या कहा था : बता दें कि इससे पहले ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका ने ईरान पर हमला रोकने का फैसला किया है। जब तक ईरान एक एकजुट प्रस्ताव नहीं देता, तब तक संघर्षविराम जारी रहेगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना अपनी तैयारी बनाए रखेगी।

अभी क्या है युद्ध विराम की स्थिति : यह संघर्षविराम इस महीने की शुरुआत में बातचीत के लिए शुरू किया गया था, लेकिन दोनों देशों के बीच भरोसा कमजोर बना हुआ है। स्थिति अभी भी अस्थिर है। इस बीच रिपोर्ट में यह कहा गया है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा फिलहाल रोक दी गई है, क्योंकि ईरान ने अमेरिकी प्रस्तावों का कोई जवाब नहीं दिया है।

वे इज्जत बचाना चाह रहे.., ईरान और उसके नेताओं के खात्मे तक डील असंभव'; ट्रंप का इशारा क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव अब कूटनीति की पतली डोर पर झूल रहा है, जहां शांति के प्रयासों के बीच युद्ध का साया गहराता जा रहा है। ऐसे में अब एक बार फिर ईरान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख ने वैश्विक चिंता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज को लेकर ईरान सिर्फ इज्जत बचाने का खेल खेल रहा है। अपने बयान में ट्रंप ने साफ-साफ कहा कि ईरान वास्तव में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं करना चाहता, बल्कि उसे खुला रखना चाहता है। उनके मुताबिक, ऐसा इसलिए है क्योंकि ईरान इस रास्ते से हर दिन लगभग 500 मिलियन डॉलर (करीब 4,000 करोड़ रुपये) की कमाई करता है। ट्रंप ने ये बातें अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में कही। जहां उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान केवल दिखावे के लिए यह कह रहा है कि वह इस जलडमरूमध्य को बंद करना चाहता है।

होर्मुज को लेकर फिर किया बड़ा दावा : अपने पोस्ट में एक बार फिर ट्रंप ने होर्मुज को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि असल में अमेरिका ने इस रास्ते को पूरी तरह से ब्लॉक (बंद) कर रखा है, इसलिए ईरान अपनी इज्जत बचाने के लिए ऐसी बातें कर रहा है। ट्रंप के अनुसार, कुछ लोगों ने उनसे संपर्क कर बताया कि ईरान तुरंत इस रास्ते को खोलना चाहता है। यानी, ईरान खुद भी समझता है कि यह रास्ता बंद रहने से उसे भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

ईरान को फिर ट्रंप की दो टूक, इशारा क्या : अपने पोस्ट में ट्रंप ने एक बार फिर बड़ा दावा करते हुए कहा कि अभी चार दिन पहले कुछ लोग उनके पास आए और बताया कि ईरान चाहता है कि होर्मुज को तुरंत खोल दिया जाए। ट्रंप ने आगे कहा कि अगर अमेरिका इस रास्ते को खोल देता है, तो फिर ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत या समझौता संभव नहीं रहेगा। उन्होंने बेहद कड़े शब्दों में दो टूक अंदाज

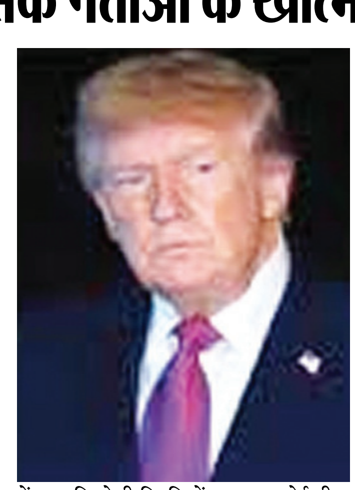

में कहा कि ऐसी स्थिति में तब तक कोई डील नहीं हो सकती, जब तक ईरान और उसके नेताओं के खिलाफ पूरी तरह सख्त कार्रवाई न की जाए। इस बात को ऐसे समझिए कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक चिंता का केंद्र बन गई है। यह संकरा समुद्री रास्ता फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और दुनिया के सबसे बड़े तेल ट्रांजिट मार्गों में गिना जाता है। अनुमान है कि वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है, जिससे एशिया, यूरोप और अन्य देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी होती हैं। ऐसे में अगर यह जलडमरूमध्य किसी भी कारण से बंद होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की सप्लाई अचानक घट सकती है। इसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों, महंगाई और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों के लिए स्थिति और गंभीर हो सकती है। यही वजह है कि होर्मुज सिर्फ एक समुद्री रास्ता नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माना जाता है। यहां पैदा होने वाला कोई भी संकट पूरी दुनिया में आर्थिक अस्थिरता और रणनीतिक तनाव को बढ़ा सकता है।

धूम्रपान न करने वाले कम उम्र के लोगों में भी बढ़ रहा फेफड़ों का कैंसर, रिसर्च में चौंकाने वाला दावा : वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शोधकर्ताओं ने पाया है कि 50 वर्ष से कम उम्र के ऐसे लोगों में भी फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। अध्ययन में विशेष रूप से यह भी सामने आया कि युवा धूम्रपान न करने वाली महिलाओं में यह जोखिम पुरुषों की तुलना में अधिक देखा गया। यूएससी नॉरिस कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर सेंटर और केक मेडिसिन ऑफ यूएससी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस शोध को अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह प्रवृत्ति फेफड़ों के कैंसर के बदलते स्वरूप की ओर संकेत करती है और इसके पीछे पर्यावरणीय कारणों की गहराई से जांच की जरूरत है। अध्ययन में लगभग 187 ऐसे मरीजों का विश्लेषण किया गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तमिलनाडु चुनावः अब सीधा मुक़ाबला नहीं यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन गया,

एक्टर विजय की एंट्री ने दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल दी

चेन्नई ।

तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक युगांतरकारी मोड़ के रूप में दर्ज होने जा रहा है। यह चुनाव केवल सत्ता के परिवर्तन का संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पांच दशक पुराने राजनीतिक ढांचे के ढहने का संकेत है जिसमें केवल दो द्रविड़ दिग्गजों डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। अभिनेता-राजनेता विजय और उनकी पार्टी टीवीके के प्रवेश ने एक स्थिर दो-ध्रुवीय व्यवस्था को एक अस्थिर और रोमांचक त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। पिछले 50 से ज्यादा सालों से तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ियन विचारधारा, सामाजिक न्याय और लोक-कल्याणकारी नीतियों की धुरी पर घूमती रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने 2021 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी सांगठनिक शक्ति का लोहा मनवाया। प्रशासनिक स्थिरता और द्रविड़ मॉडल के नैरेटिव ने उन्हें अल्पसंख्यकों और शहरी मध्यम वर्ग के बीच मजबूत बनाए रखा है। जय जयललिता के निधन के बाद भी एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में एआईएडीएमके ने अपना वोट बैंक काफी हद तक बचाए रखा है। विपक्ष के रूप में यह पार्टी सत्ता-विरोधी लहर को भुनाने की कोशिश करती रही है।

अब तक छोटी पार्टियां या तो इन दो दिग्गजों के साथ गठबंधन में समा जाती थीं या हाशिए पर रहती थीं, लेकिन विजय ने इस परिपाटी को चुनौती दी है। राजनीति में विजय के कदम रखने से, अब यह दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल गई है। तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक, विजय ने अपनी ज़बरदस्त लोकप्रियता को एक राजनीतिक मंच में बदल दिया है, जिसका मकसद इन दोनों ही द्रविड़ियन पार्टियों को चुनौती देना है।

टीवीके ने भ्रष्टाचार-विरोध, शासन-सुधार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को आधार बनाकर, बहुत तेज़ी से युवाओं के बीच अपना समर्थन-आधार तैयार किया है, साथ ही, पार्टी ने ज़मीनी स्तर पर अपने विस्तार पर भी काफी ज़ोर दिया है, जिसमें बूथ-स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना भी शामिल है।

सबसे अहम बात यह है कि टीवीके की रणनीति विजय की निजी लोकप्रियता से कहीं आगे तक जाती है। पार्टी ने इस चुनाव को एक पीढ़ीगत बदलाव के तौर पर पेश किया है, जिसमें युवाओं को नौकरी, इंटर्नशिप और आर्थिक मदद का वादा करके उन्हें लुभाने की कोशिश की गई है।

वसुंधरा राजे के नाम पर फर्जी लेटर और वीडियो मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल और मोहाली से पकड़े गए आरोपी जयपुर लाए गए

जयपुर ।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी लेटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार वीडियो वायरल करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को मध्यप्रदेश और पंजाब से पकड़कर जयपुर लाया गया है।

डीसीपी साउथ राजश्री राज ने मीडिया को बताया कि ज्योति नगर थाना पुलिस ने निखिल, बिलाल खान और इनाम अहमद को भोपाल से गिरफ्तार किया, जबकि अमृता धुमाल को मोहाली से हिरासत में लिया गया। चारों आरोपियों को बुधवार को जयपुर लाया गया, जहां उनसे पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया है कि पूर्व मुख्यमंत्री के नाम से संघ प्रमुख मोहन भागवत को संबोधित एक फर्जी पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र को सोशल मीडिया पर वायरल करने के लिए एआई तकनीक की मदद से वीडियो का रूप भी दिया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर की गई।

पुलिस अब चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस कस्टडी की मांग करेगी, ताकि गहन पूछताछ के जरिए पूरे नेटवर्क और साजिश का खुलासा किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में और लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इससे पहले जांच में मध्यप्रदेश कनेक्शन सामने आने पर भोपाल पुलिस ने कांग्रेस आईटी सेल से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था।

होर्मुज विवाद पर भारत का स्पष्ट बयान, नहीं किया ईरान को कोई भुगतान

भारतीय जहाजों की सुरक्षित निकासी को लेकर फैली खबरों को बताया फर्जी

नई दिल्ली ।

होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे भारतीय जहाजों को लेकर उठे विवाद के बीच भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि ईरान को किसी भी प्रकार का भुगतान नहीं किया गया है। सरकार ने उन सभी खबरों को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि जहाजों की सुरक्षित निकासी के लिए नकद या क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से रकम दी गई।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि 'सनमार हेराल्ड' जहाज को सुरक्षित मार्ग देने के लिए ईरान को भुगतान किए जाने की खबरें पूरी तरह निराधार और भ्रामक हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहाज के मालिकों से बातचीत में भी इस तरह के किसी भुगतान से इनकार किया गया है। यह स्पष्टीकरण 18 अप्रैल को हुई उस घटना के बाद सामने आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों को ईरानी बलों की चेतावनी और कथित गोलीबारी के बाद वापस लौटना पड़ा था। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई थी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस पर चर्चा शुरू हो गई थी।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि 'सनमार हेराल्ड' के कप्तान ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना इकाई से जुड़े लोगों को भुगतान किया, ताकि जहाज को सुरक्षित रास्ता मिल सके। हालांकि भारतीय अधिकारियों ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

झारखंड में दो नए चिड़ियाघर बनाने की योजना

200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास देने की तैयारी

रांची ।

झारखंड राज्य में दो नए चिड़ियाघर के निर्माण की प्रक्रिय जारी है। दुमका और गिरिडीह में प्रस्तावित चिड़ियाघर में 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास उपलब्ध करने की तैयारी है। इसके लिए देश के दूसरे वन प्रभाग और नेशनल पार्क से वन्य जीव लाए जाएंगे। इन जीवों को पहले दलमा और सारंडा के रेस्क्यू सेंटर में रखा जाएगा। बता दें कि सारंडा में नई सफारी भी बननी है। हाथियों के लिए बनाए गए इन रेस्क्यू सेंटर पर बाहर से आए जीवों को झारखंड की जलवायु में ढलने का मौका मिलेगा।

वन्यजीव विशेषज्ञ ने बताया कि बाघ, चीता जैसे वन्य जीव जल्दी दूसरे जीवों से घुलते मिलते नहीं हैं। नई जगह पर इन्हें आरामदायक माहौल नहीं मिलने पर इनकी मृत्यु तक हो जाती है। कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए चीते की मौत के बाद केंद्रीय वन्यजीव संस्थान ने इनके ट्रांसपोर्ट और रिहेब्लिटेशन (आवास) के मानदंड कड़े किए हैं।

नए लाए वन्यजीवों को एकबार चिड़ियाघर में स्थानांतरित करने के बाद इनके चिकित्सा की व्यवस्था वहीं होगी। झारखंड सरकार ने वन्य जीव संस्थान से इसके लिए पशु चिकित्सालय स्थापित करने में तकनीकी सहायता मांगी है। दुमका और गिरिडीह में सात के करीब बाघ रखने की योजना विभाग बना रहा है।

इसके अलावा रणथंभौर से चीते लाने के लिए केंद्र सरकार के अधिकारियों से बात हुई है। विशेषज्ञों ने चिड़ियाघर में वन्यजीव के रहने के लिए प्राकृतिक आवास तैयार करने का निर्देश दिया है।

नहीं बढ़ेंगी पेट्रोल-डीजल की कीमतें, भय और दहशत पैदा करने फैलाई जा रहीं खबरें

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा- ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि वर्तमान में चल रहे विधानसभा चुनावों के बाद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। इसे फेक न्यूज बताते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया में कहा- कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की बात कही जा रही है। यह स्पष्ट है कि सरकार के सामने ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इस तरह की खबरें भय और दहशत पैदा करने के उद्देश्य से फैलाई जाती हैं और ये शरारतपूर्ण और भ्रामक हैं।

पोस्ट में आखिर में लिखा- भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पिछले चार सालों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं हुई है। भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने भारतीय नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय कीमतों में होने वाली तीव्र वृद्धि से बचाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं। इससे पहले बुधवार को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा था कि देश में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और लोगों से अपील की है कि पेट्रोल-डीजल या गैस की जल्दबादी में खरीदारी न करें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

मीडिया रिपोर्ट में सरकार के मुताबिक देश भर में घरेलू एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की 100 फीसदी सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है। 23 मार्च 2026 से अब तक 20 लाख से ज्यादा 5 किलो वाले छोटे गैस सिलेंडर (एफटीएल) बेचे जा चुके हैं, जो खासकर प्रवासी मजदूरों के लिए राहत हैं। सरकार ने इन सिलेंडरों की सप्लाई भी दोगुनी कर दी है ताकि जरूरतमंदों तक आसानी से गैस पहुंच सके। पीएनजी के विस्तार पर भी तेजी से काम हो रहा है। मार्च 2026 से अब तक करीब 5.10 लाख नए कनेक्शन चालू किए जा चुके हैं और 2.56 लाख अतिरिक्त कनेक्शन के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो चुका है। इसके अलावा 5.77 लाख लोग नए कनेक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कर चुके हैं। सरकार कंपनियों के साथ मिलकर लोगों को पीएनजी अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। कई कंपनियां नए कनेक्शन पर ऑफर भी दे रही हैं। साथ ही राज्यों को भी निर्देश दिए हैं कि वे गैस कनेक्शन देने की प्रक्रिया को तेज करें।

हैदराबाद से नागपुर तक बिछेगी 1585 करोड़ की एलपीजी पाइपलाइन

453 किमी लंबी परियोजना से ऊर्जा आपूर्ति होगी तेज, टैंकरों पर निर्भरता घटेगी

नई दिल्ली ।

देश में ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने हैदराबाद से नागपुर तक एलपीजी पाइपलाइन बिछाने की महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इस परियोजना पर लगभग 1,585 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड द्वारा विकसित किया जा रहा है।

यह पाइपलाइन तेलंगाना के चेर्लापल्ली स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम के एलपीजी टर्मिनल से शुरू होकर वारंगल और महाराष्ट्र के चंद्रपुर होते हुए नागपुर तक पहुंचेगी। करीब 453 किलोमीटर लंबी यह पाइपलाइन दक्षिण और मध्य भारत के बीच एक महत्वपूर्ण ऊर्जा कॉरिडोर के रूप में काम करेगी।

परियोजना की खास बात यह है कि इसके जरिए हिंदुस्तान पेट्रोलियम के छह प्रमुख एलपीजी बॉटलिंग प्लांट्स को जोड़ा जाएगा, जिसमें नागपुर का बड़ा प्लांट भी शामिल है। इस पाइपलाइन की वार्षिक क्षमता 510 टीएमटी एलपीजी परिवहन की होगी, जिससे क्षेत्र की बढ़ती ऊर्जा मांग को आसानी से पूरा किया जा सकेगा।

वर्तमान में एलपीजी आपूर्ति के लिए सड़कों पर चलने वाले भारी टैंकरों पर काफी निर्भरता है। इससे न केवल परिवहन लागत बढ़ती है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। पाइपलाइन बनने के बाद गैस की आपूर्ति अधिक तेज, सुरक्षित और किफायती हो जाएगी। साथ ही, सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी, जिससे पर्यावरण को लाभ मिलेगा। यह परियोजना केंद्र सरकार के उस व्यापक विजन का हिस्सा है, जिसके तहत वर्ष 2030 तक देश में थोक एलपीजी परिवहन को पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना के निर्माण कार्य के 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार इसे पूरा होने में करीब डेढ़ से दो साल का समय लगेगा। यदि सब कुछ तय समय के अनुसार हुआ, तो 2028-29 तक यह पाइपलाइन पूरी तरह चालू हो जाएगी। इस परियोजना से न केवल औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, बल्कि लाखों उपभोक्ताओं को भी विश्वसनीय और सुरक्षित गैस आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

देश के कई राज्य भीषण गर्मी की चपेट में, कई शहरों में पारा 40 के पार

70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, कहीं लू तो कहीं होगी ओलावृष्टि

नई दिल्ली ।

देश के कई राज्य इस समय भीषण गर्मी की चपेट में हैं। यूपी से लेकर मध्यप्रदेश तक कई शहरों में तापमान 40 के पार है। इस बीच मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए राहत की खबर दी है। मौसम विभाग के मुताबिक अप्रैल का आखिरी सप्ताह आते-आते मौसम का मिजाज बदलने वाला है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जो उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत तक असर दिखाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में आंधी-तूफान, तेज हवाएं और बारिश कई राज्यों में हो सकती है। हवा की रफ्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। यही वजह है कि 13 राज्यों में मौसम पलटने का अलर्ट जारी किया है। कहीं लू चलेगी तो कहीं ओलावृष्टि होगी। कहीं आसमान साफ रहेगा तो कहीं अचानक बादल छा जाएंगे। इस बदलते मौसम के पीछे कई वेदर सिस्टम एक साथ काम कर रहे हैं। फिलहाल देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। तापमान 40 डिग्री के पार हो चुका है, लेकिन राहत की उम्मीद भी साथ-साथ बनी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 36 घंटों में पहाड़ी क्षेत्रों पर असर दिखेगा और धीरे-धीरे इसका प्रभाव मैदानी इलाकों तक पहुंचेगा।कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं। वहीं पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश का दौर जारी रहेगा।

हैदराबाद में रामचंद्रजी मठ में दशकों से पानी के कुंड में तैरता है रहस्यमयी पत्थर

यह भारी पत्थर लोगों की आस्था का केंद्र, प्रभु राम की शक्ति का मानते हैं प्रतीक

हैदराबाद ।

हैदराबाद के लंगर हौज, बापू घाट के पास स्थित करीब 800 साल पुराना संगम रामचंद्रजी मठ एक अद्भुत और रहस्यमयी स्थल है। इस प्राचीन मठ में एक ऐसा भारी पत्थर बीते कई दशकों से पानी के कुंड में तैर रहा है, जिसे देखने के दूर-दूर से लोग आते हैं। यह दृश्य सचमुच अविश्वसनीय है और लोगों को सोचने पर मजबूर कर देता है कि आखिर यह कैसे संभव है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर के प्रांगण में लोहे की जाली से घिरा एक छोटा सा जलकुंड है, जिसमें यह रहस्यमयी पत्थर सावधानी से रखा गया है। खास बात यह है कि इतना भारी होने के बावजूद यह पत्थर पानी में डूबता नहीं है, बल्कि उसकी सतह पर स्थिरता से तैरता रहता है। यह चमत्कारी दृश्य रामायण काल की याद दिलाता है, जब नल और नील की वानर सेना ने भगवान श्रीराम के आदेश पर रामसेतु के निर्माण में पत्थरों को पानी पर तैराया था। मंदिर के पुजारी और भक्तगण दृढ़ता से मानते हैं कि यह पत्थर उसी अलौकिक आस्था और प्रभु राम की शक्ति का प्रतीक है। श्रद्धालुओं के लिए यह केवल एक भूवैज्ञानिक घटना नहीं, बल्कि प्रभु राम की जीवंत उपस्थिति का साक्षात प्रमाण है, जो उनके विश्वास को और भी गहरा करता है। हैदराबाद के इस मंदिर की एक और अद्वितीय विशेषता इसे और भी खास बनाती है। यहां भगवान श्रीराम की प्रतिमा मूंछों के साथ स्थापित है, जो भारतीय मंदिरों में अत्यंत दुर्लभ मानी जाती है।

पश्चिम रेलवे चलाएगी गांधीधाम-मालदा टाउन-गांधीधाम समर स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद ।

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की भीड़ एवं मांग को ध्यान में रखते हुए गांधीधाम-मालदा टाउन-गांधीधाम के बीच समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन संख्या 09463/09464 गांधीधाम-मालदा टाउन-गांधीधाम समर स्पेशल कट्रेन संख्या 09463 गांधीधाम-मालदा टाउन समर स्पेशल दिनांक 25 अप्रैल 2026 (शनिवार) को गांधीधाम से 12:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन सोमवार को 09:10 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09464 मालदा टाउन-गांधीधाम समर स्पेशल दिनांक 27 अप्रैल 2026 (सोमवार) को मालदा टाउन से 17:35 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन बुधवार को 15:30 बजे गांधीधाम पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में सामाखियाली, राधनपुर, भीलड़ी, पालनपुर, आबू रोड, अजमेर, जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, इदगाह आगरा, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज, मिर्जापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, किउल, अभयपुर, जमालपुर, सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, साहिबगंज, बड़हरवा और न्यू फरक्का स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। ट्रेन संख्या 09463 गांधीधाम - मालदा टाउन समर स्पेशल के लिए बुकिंग दिनांक 24 अप्रैल 2026 से सभी पीआरएस काउंटर्स एवं आईआरसीटीसी वेबसाईट पर उपलब्ध होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव एवं अन्य जानकारी के लिए 222.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें।

महाराष्ट में है एशिया का एकमात्र कार-फ्री हिल स्टेशन माथेरान

नई दिल्ली ।

घुमने-फिरने के हिसाब से अगर आप सुकून भरी जगह की तलाश में हैं, तो महाराष्ट्र में स्थित माथेरान बेहतरीन विकल्प हो सकता है। माथेरान, मुंबई से लगभग 90 किलोमीटर दूर, सह्याद्री पर्वतमाला में स्थित एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह एशिया का एकमात्र कार-फ्री हिल स्टेशन है। यहाँ किसी भी तरह के मोटर वाहन को अंदर आने की अनुमति नहीं है। जैसे ही आप दास्तुरी पॉइंट तक पहुँचते हैं, उसके आगे आपको पैदल ही यात्रा करनी होती है। सोचिए, न कोई हॉर्न की कर्कश आवाज, न गाड़ियों का धुआँ, न ट्रैफिक का शोर - बस शुद्ध हवा, पक्षियों का कलरव और प्रकृति का शांत, सुकून भरा माहौल! यह अनुभव अपने आप में अद्वितीय है। साल 2003 में माथेरान को आधिकारिक तौर पर कार-फ्री ज़ोन घोषित किया गया था।